लखनऊ, , मंगलवार, 22 सितंबर 2026
वर्ष0 : 21
अंक : 341
पृष्ठ : 8
राजधानी संस्करण
मूल्यः 2-00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

THE POWER OF TRUTH

हिंदी दैनिक

lokhastakshep.com



खेल

सुचिका तारियाल ने रचा इतिहास, एमएमए में मेडल जीतने वाली बनीं पहली भारतीय खिलाड़ी.....7

कार्यकर्ताओं के परिश्रम और पसीने ने यूपी को फिर पहचान दी, विकास की नई बुलंदियों तक पहुंचाया

जाति के नाम पर समाज को नहीं बटने देंगे: योगी

मेरठ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नकारात्मक ताकतें फिर से समाज को बांटने का काम करेंगी। वे जाति के नाम पर समाज को बांटेंगी और महापुरुषों को भी जातीय आधार पर बांटने का पाप करेंगी, लेकिन हमें इस विभाजन को नहीं होने देना है। महापुरुष पूरे समाज के होते हैं, उन्हें किसी जाति के दायरे में सीमित कर उनके महत्व को कम नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की उपस्थिति में जनपद मेरठ में आयोजित भाजपा पश्चिम क्षेत्र के शक्ति केंद्र संयोजकों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि भारत के इतिहास, क्रांति और अन्नदाताओं के सामर्थ्य की धरती मेरठ में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का सभी की ओर से हृदय से स्वागत और अभिनंदन है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के दो दिवसीय प्रवास के क्रम में पश्चिम क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को उनका सानिध्य और मार्गदर्शन मिल रहा है। शक्ति केंद्र सम्मेलन के माध्यम से कार्यकर्ताओं



की शक्ति को जागृत करने और उस जागरण को पार्टी के लिए उपयोगी बनाने के साथ राष्ट्र प्रथम के भाव से प्रधानमंत्री के संकल्पों के अनुरूप आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत में कार्यकर्ताओं की भूमिका के लिए आह्वान किया जा रहा है। *'मुझे क्या' कहना मंथरा बुद्धि का परिचय*

मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यक्ति से बढ़कर दल और दल से बढ़कर देश है। भारतीय जनता पार्टी का भाव है कि मेरा सब कुछ देश के लिए होगा। जो लोग कहते हैं 'मुझे क्या-मुझे क्या', यह मंथरा बुद्धि है। 'को नृप होई हमें का हानि' का भाव पहचान का संकट खड़ा करता है, पलायन करवाता है, विकास को बाधित करता है और अन्नदाता किसान को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाली परिस्थितियां पैदा करता है। इसी भाव ने देश को नुकसान पहुंचाया और देश गुलाम हुआ तथा उसके सामने पहचान का संकट खड़ा हुआ।मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सत्ता संभालने के बाद एक नए भारत का दर्शन हुआ। ऐसा भारत जो अपनी विरासत पर गर्व करता है और विकास के लिए गति के साथ आगे बढ़ रहा है। आज ऐसा भारत है जिसके सामने पहचान का संकट नहीं है। सीना तानकर चलता है और दुनिया की आंख में आंख डालकर बात करता है। कोई चुनौती देने का दुस्साहस करता है तो भारत मांद में घुसकर मारना भी जानता है।

सीएम योगी आज देंगे 2500 युवाओं को नियुक्ति पत्र

- मेरठ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ की क्रांतिधरा पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का %युवा संवाद% कार्यक्रम में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमने सत्ता संभालते ही युवाओं के लिए सरकारी भर्तियों को लेकर पारदर्शी व्यवस्था बनाई। अब तक 9.50 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी दी है। परसों से फिर मिशन रोजगार शुरू हुआ है। मंगलवार सुबह फिर ढाई हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र मिलेंगे। छह महीने में एक लाख युवाओं को नौकरी देंगे। यह क्रम अनवरत चलेगा। सीएम योगी ने तंज कसा कि मुझसे प्रश्न वो लोग पूछ रहे हैं, जिनके शासन में एक भी भर्ती साफ-सुथरी नहीं थी। विज्ञापन निकलते ही महाभारत के रिश्ते (चाचा-भतीजे, भाई, मामा) वसूली करने निकल पड़ते थे। थाने-तहसीलें बिक जाती थीं। सपा शासन के समय जिसने परीक्षा भी नहीं दी, ऐसे लोगों को भी नियुक्ति पत्र दे दिया गया। यूपी पब्लिक सर्विस कमीशन की एक परीक्षा ऐसी हुई, उसमें 86 में से 56 एक ही जाति के थे। उसका टॉपर वह हुआ, जो हाईस्कूल-इंटर, स्नातक में तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुआ। बाकी की शिक्षा भगवान भरोसे हुई। अयोग्य व्यक्ति को चेयरमैन बना दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर युवा का भाव राष्ट्र प्रथम होना चाहिए। डबल इंजन सरकार युवा ऊर्जा को प्लेटफॉर्म दे रही है। हर क्षेत्र में युवा शक्ति समेत सभी वर्गों के लिए कार्य हुए हैं। उन्होंने आह्वान किया कि पिछली सरकारों से तुलना कीजिए और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ाइए। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि यह महत्वपूर्ण नहीं कि आपकी शिक्षा कितना धनार्जन कराती है, बल्कि यह महत्वपूर्ण है कि शिक्षा राष्ट्र के प्रति कितना समर्पण का भाव पैदा करती है। सीएम ने छात्रों, युवाओं से कहा कि हर क्षेत्र में आपके लिए संभावनाएं हैं। उसके अनुरूप करियर को बढ़ाइए। सीएम ने महाभारत, हस्तिनापुर, आजादी के दौर में मेरठ का जिक्र किया, कहा कि मेरठ ने कई दौर को अपने आंखों से देखा है। जब भारत की आजादी का आह्वान हुआ तो उप्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। मंगल पांडेय ने बैरकपुर में जो चिंगारी जलाई, मेरठ में कोतवाल धन सिंह गुर्जर के नेतृत्व में उस चिंगारी ने दिल्ली के सिंहासन को हिला दिया था। झांसी में रानी लक्ष्मीबाई, बिठूर में नाना साहेब, तात्या टोपे ने इस आंदोलन को बढ़ाया।

राम मंदिर में 105 बार चोरी, सीसीटीवी में घटनाएं कैद

अयोध्या ,एजेंसी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जांच अब अहम मोड़ पर पहुंच गई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम यानी एसआईटी दो दिन के भीतर चार्जशीट दाखिल करेगी। एसआईटी की स्टेटस रिपोर्ट में कहा गया है कि सीसीटीवी फुटेज की जांच के दौरान चढ़ावे की चोरी से जुड़ी 105 घटनाओं की पहचान की गई है। ऐसे में अब चार्जशीट के जरिए जांच से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने आने की उम्मीद है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट की पीठ को बताया कि पहली गिरफ्तारी की तारीख से 90 दिन की अवधि 25 सितंबर को पूरी हो जाएगी। अगर इससे पहले चार्जशीट दाखिल नहीं की गई तो आरोपियों को डिफॉल्ट जमानत मिलने का आधार बन सकता है। इसी वजह से सरकार ने अदालत को बताया कि एसआईटी दो दिन में चार्जशीट दाखिल करेगी। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने की। एसआईटी ने जांच से जुड़ी स्टेटस रिपोर्ट भी अदालत में पेश की, जिसका पीठ ने अवलोकन किया ।एसआईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। इसी फुटेज के आधार पर चढ़ावे की चोरी से जुड़ी 105 घटनाओं की पहचान की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन घटनाओं की जांच पूरी हो चुकी है ।मामले में 25 सितंबर की तारीख इसलिए अहम है क्योंकि पहली गिरफ्तारी के बाद 90 दिन की अवधि उस दिन पूरी हो रही है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अगर इस अवधि के भीतर चार्जशीट दाखिल नहीं की गई तो आरोपियों को डिफॉल्ट जमानत मिल सकती है। इसी वजह से उन्होंने अदालत में कहा कि चार्जशीट दो दिन के भीतर दाखिल कर दी जाएगी। एसआईटी की ओर से जांच पूरी होने और स्टेटस रिपोर्ट सौंपे जाने की जानकारी भी अदालत को दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट में अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच को लेकर दाखिल कई याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इन याचिकाओं में स्वतंत्र जांच की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल ने एसआईटी की जांच की स्थिति अदालत के सामने रखी।

मौत को दावत दे रहे जर्जर तार, 20 साल से नहीं बदले, हो सकता है बड़ा हादसा

गोण्डा। विद्युत उपकेंद्र करनैलगंज के अंतर्गत ग्राम बसालतपुर में विद्युत विभाग की घोर लापरवाही सामने आई है। यहां लगभग 18 से 20 साल पहले लगे बिजली के तार पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं। ट्रांसफार्मर से लेकर करीब 200 मीटर तक तार जल-जल कर गिर रहे हैं। आज भी तार जलकर गिरा है।ग्रामीणों द्वारा भेजे गए एक वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि खंभे पर तार लटके हुए हैं, आपस में उलझे हैं और बुरी तरह झूल रहे हैं। वहीं दूसरे वीडियो में गली में, घरों की बाउंड्री के पास और खेतों के किनारे तक तार लटके हुए हैं, नीचे गाय बंधी है, कूड़े के ढेर पर तार गिरे हैं। थोड़ी सी चिंगारी से ही बड़ी दुर्घटना हो सकती है। शनिवार- रविवार को भी तार जलकर गिर गया है। इससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग को कई बार शिकायत की गई, लेकिन अधिकारी और कर्मचारी किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहे हैं।

खरगे ने एसआईआर प्रक्रिया पर उठाए सवाल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को त्रुटिपूर्ण बताते हुए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया केवल मतदाता सूची के पुनरीक्षण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसके प्रभाव लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े सवाल खड़े कर रहे हैं। खरगे ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि कांग्रेस शुरू से ही एसआईआर प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण बताती रही है। अब जब यह प्रक्रिया दिल्ली में चल रही है, तो इसके प्रभाव अधिक स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केंद्रीय विदेश मंत्री, दिल्ली के उपराज्यपाल, राज्यसभा सांसदों तथा



अन्य प्रमुख व्यक्तियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित एक वैज्ञानिक और पूर्व नौसेना प्रमुख को भी पहले नोटिस दिया जा चुका है। खरगे ने पश्चिम बंगाल का उल्लेख करते हुए दावा किया कि मतदाता सूची से हटाए गए नामों से संबंधित अपीलों पर बड़ी संख्या में लोगों को राहत मिली और उन्हें फिर से सूची में शामिल करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सवाल किया कि यदि बाद में नाम बहाल किए जा रहे हैं तो शुरुआती स्तर पर नाम हटाने का आधार क्या था कांग्रेस अध्यक्ष ने चुनाव आयोग की हालिया प्रेस विज्ञप्ति में 'वीआईपी' अथवा 'मार्क्ड इलेक्टर्स' के उल्लेख पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि संविधान सभी मतदाताओं को समान अधिकार देता है और 'एक व्यक्ति, एक वोट, एक मूल्य' लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है। ऐसे में मतदाताओं की किसी विशेष श्रेणी का उल्लेख किए जाने पर आयोग को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं को विसंगतियों के संबंध में नोटिस जारी किए गए हैं दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि नोटिस जारी होने का अर्थ मतदाता का नाम स्वतः हटाया जाना नहीं है और किसी नाम को हटाने से पहले संबंधित मतदाता को सुनवाई का अवसर दिया जाएगा।-

टी-72 और टी-90 टैंकों के लिए 586 करोड़ रुपये की सरकार की मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय सेना के टी-72 और टी-90 टैंकों को अपग्रेड करके इनकी मारक क्षमता बढ़ाने की तैयारी है। इसके लिए रक्षा मंत्रालय 586 करोड़ रुपये की लागत से ऑग्ज़ीलियरी पावर यूनिट्स खरीदने के लिए एक्यूरेट इंडस्ट्रियल कंट्रोल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ करार किया है। यह कॉन्ट्रैक्ट सोमवार को नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में साइन किया गया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ऑग्ज़ीलियरी पावर यूनिट्स फायर कंट्रोल सिस्टम, फायरिंग सर्किट, गन स्टेबिलाइजेशन सिस्टम और टैंक के दूसरे सहायक उपकरणों के लिए बिजली बनाने का एक दूसरा जरिया है। देश में बनी इन यूनिट्स के शामिल होने से भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड फॉर्मेशन की ऑपरेशनल तैयारी, भरोसेमंद होने और टिकाऊ होने की क्षमता और मजबूत होगी। यह खरीद आर्म्ड प्लेटफॉर्म के जरूरी सब-सिस्टम के स्वदेशीकरण की दिशा में एक अहम कदम है। स्वदेशी इनोवेशन को प्रोडक्शन और इंडक्शन में बदलने के मैकेनिज्म से ऐसा संभव हो पाया है। विकसित भारत ञ2047 के विजन के मुताबिक यह समझौता डिफेंस में आत्मनिर्भरता हासिल करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भारतीय डिफेंस इंडस्ट्री बनाने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है। रूस में निर्मित टी-72 भारतीय सेना के बेड़े का मुख्य टैंक है, जो अभी 780 हॉर्स पावर इंजन से संचालित है। भारत के पास टी-72 टैंक के कुल तीन वेरिएंट हैं। टी-72 टैंकों के मौजूदा बेड़े को अब 1000 एचपी इंजन से लैस किया जाएगा, जिससे भारतीय सेना की युद्धक गतिशीलता और आक्रामक क्षमता बढ़ेगी। इस टैंक को 1960 के दशक में सोवियत रूस ने विकसित और निर्मित करके रूसी सेना ने तमाम मोर्चों पर इसका इस्तेमाल शुरू किया।

एशियन गेम्स : निशानेबाजों ने कराई चांदी, टेटे में दिखा दम

नई दिल्ली,एजेंसी। एशियन गेम्स के दूसरे दिन भी भारत ने पदक जीतने का सिलसिला जारी रखा। सोमवार को निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, जबकि भारत की मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) फाइटर सुचिका तरियाल ने ऐतिहासिक कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत ने इस तरह दूसरे दिन दो रजत और दो कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं, हॉकी, बैडमिंटन और टेबल टेनिस में भी भारत को सफलता मिली।एशियन गेम्स 2026 में भारतीय निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत ने एक साथ दो पदक अपने नाम किए। हिमांशु ढिल्लन ने रजत, जबकि रुद्रांक्ष पाटिल ने कांस्य पदक जीता। हिमांशु ने फाइनल में 252.4 अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहे। वहीं, रुद्रांक्ष 230.9 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। रुद्रांक्ष पाटिल ने फाइनल में लंबे समय तक पदक की दौड़ में बढ़त बनाए रखी थी।

वह लगातार स्वर्ण पदक की स्थिति में बने हुए थे, लेकिन बाद के दौर में चीन के शेन लिहाओ ने शानदार वापसी की। रुद्रांक्ष पहले स्वर्ण पदक की स्थिति से नीचे आए और इसके बाद 9.7 के एक खराब शॉट के कारण तीसरे स्थान पर खिसक गए। इसके बाद उन्होंने वापसी की कोशिश की, लेकिन कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। रुद्रांक्ष और हिमांशु ने इससे पहले पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में भी रजत पदक जीता। उनके साथ भारतीय टीम में पार्थ माने भी शामिल थे। चीन ने इस स्पर्धा में स्वर्ण और दक्षिण कोरिया ने कांस्य पदक जीता था। इस तरह रुद्रांक्ष और हिमांशु दोनों के खाते में एशियन गेम्स 2026 में अब दो-दो पदक हो गए हैं।भारत की मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) फाइटर सुचिका तरियाल ने ऐतिहासिक कांस्य पदक अपने नाम किया। महिलाओं की 60 किग्रा स्रूसेमीफाइनल के आखिरी राउंड में सिंगापुर की तेओ हुई हून ने कई किक्स लगाईं। सुचिका कुछ हद तक रक्षात्मक रहीं और निर्णायक वार के मौके का इंतजार करती रहीं। मुकाबले के आखिरी पलों में सुचिका ने कुछ कॉम्बिनेशन पंच लगाए। वहीं, तेओ ने भी किक से जवाब दिया। अंतिम बजर बजने के बाद सुचिका ने अपनी प्रतिद्वंद्वी पर छलांग लगाकर उसे जमीन पर गिरा दिया। रेफरी को एक बार फिर दोनों खिलाड़ियों को अलग करना पड़ा।मुकाबला खत्म होने के बाद सुचिका फैसले से खुश नहीं दिखीं। उन्होंने रेफरी से हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया और मैट पर ही भावुक होकर रोने लगीं। सुचिका को लगा कि उन्होंने फाइनल में पहुंचने के लिए पर्याप्त प्रदर्शन किया है, लेकिन जजों ने उन्हें मुकाबले में दूसरे स्थान पर रखा। इसके बावजूद सुचिका ने महिलाओं की 60 किग्रा स्रूस्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया।भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियन गेम्स 2026 में शानदार शुरुआत जारी रखते हुए इंडोनेशिया को करारी शिकस्त दी।

उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराने के बाद भारत ने दूसरे मुकाबले में इंडोनेशिया को 17-1 से रौंद दिया। भारतीय फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने पूरे मुकाबले में इंडोनेशियाई डिफेंस पर दबाव बनाए रखा और लगातार गोल दागे। भारत की ओर से दीपिका, ऋतुजा पिसाल और नवनीत कौर ने हैट्रिक लगाई।

बरामदे में सो रही किशोरियों के जेवर चुराने का प्रयास, अज्ञात पर केस दर्ज

गोंडा। कौड़िया थाना क्षेत्र के ग्राम महापारा के मजरा कुकुरदेवरवा में चोरी का अजीब मामला सामने आया है। बरामदे में सो रही दो किशोरियों के जेवर निकालने के प्रयास में अज्ञात चोर के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है।पीड़ित हरिशचन्द्र पाण्डेय ने बताया कि 28 अगस्त की रात करीब 12 बजे के बाद उनकी भतीजी आंचल और भांजी अंजू बरामदे में सो रही थीं। चोर ने पहले अंजू के पैर से पायल निकाल ली, फिर आंचल के गले से सोने का ओम और कान की बाली उतार ली। जब वह आंचल के पैर से पायल निकाल रहा था, तभी आंचल की नींद खुल गई और चोर घबराकर भाग गया। सुबह मौके पर एक मोबाइल फोन पड़ा मिला। परिजनों ने डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस ने मोबाइल कब्जे में ले लिया है।

कौड़िया थानाध्यक्ष ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मोबाइल के आधार पर आरोपी की पहचान की जा रही है।

परिवारवादी लोग नहीं करते युवाओं की चिन्ता: नितिन नबीन

मेरठ,संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को विपक्षी दलों समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग आज पिछड़ों और दलितों की बात करते हैं, उन्होंने सत्ता में रहते हुए अपने परिवार के अलावा किसी और के बारे में नहीं सोचा। उत्तर प्रदेश के मेरठ स्थित स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में आयोजित %शक्ति केंद्र सम्मेलन% को संबोधित करते नितिन नवीन ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में कुछ लोग %नल की टोटी% चुरा लेते थे और आज वही लोग युवाओं के भविष्य को सुंदर करने का सपना दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन्होंने सिर्फ अपने परिवार का भविष्य देखा, वे उत्तर प्रदेश के युवाओं की चिंता नहीं कर सकते। युवाओं की चिंता सिर्फ भाजपा सरकार कर रही है, जिसके तहत लाखों नौकरियां पारदर्शी तरीके से दी गई हैं। उन्होंने कहा कि आज हम संत रविदास की 650वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, जबकि कांग्रेस के



लोग सिर्फ अपने परिवार के लोगों का ही जन्मदिवस मनाते थे। उन्होंने कहा कि जो राजनीतिक खेल आज फिर से खेलने का प्रयास किया जा रहा है, हमें उसे खत्म करना है और उत्तर प्रदेश के विकास रथ को रुकने नहीं देना है। भाजपा अध्यक्ष ने पूर्ववर्ती सरकारों पर उत्तर प्रदेश को अराजकता में धकेलने का आरोप लगाते हुए कहा कि एक समय था जब राज्य में बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, किसानों को समय पर भुगतान नहीं मिलता था, व्यापारी भय के साए में जीने को मजबूर था और सरकारी योजनाएं धर्म व समाज देखकर बांटी जाती थीं। नितिन नवीन ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में योजनाएं गरीब को देखकर बनाई जाती हैं, धर्म और समाज देखकर नहीं। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत कर उत्तर प्रदेश को उस जंगलराज और परिवारवादी राज से बाहर निकाला है और इसे उत्तम प्रदेश बनाने का मिशन पूरा किया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा और रामनवमी को रोकने का प्रयास होता था। पश्चिम बंगाल में भी दुर्गा पूजा रोकने की कोशिश की गई, लेकिन दोनों राज्यों की जनता ने ऐसे लोगों को करारा सबक सिखाया है।



प्रेमनगर के ब्रह्मपुरी मोहल्ले में खराब स्ट्रीट लाइटें दुरुस्त

लोक हस्तक्षेप संवाददाता



सीतापुर। नगरपालिका परिषद सीतापुर के अध्यक्ष प्रतिनिधि नामेन्द्र अवस्थी एवं सभासद धीरज पांडे की शिकायत पर वार्ड प्रेमनगर के मोहल्ला ब्रह्मपुरी में खराब पड़ी रोड लाइटों को दुरुस्त कराया गया। बताया जाता है कि मोहल्ले में काफी दिनों से कई लाइटें खराब होने के कारण नहीं जल रही थीं जिससे स्थानीय लोगों को रात के समय आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।
स्थानीय लोगों की शिकायत को संज्ञान में लेते हुए नगरपालिका की ओर से खराब लाइटों को ठीक कराया गया। लाइटें ठीक होने के बाद मोहल्लेवासियों ने राहत की सांस ली और समस्या के समाधान पर संबंधित जनप्रतिनिधियों का आभार जताया।

आदि योगी की थीम पर बनेगा दुर्गापूजा पंडाल



लोक हस्तक्षेप समाचार

वाराणसी। वाराणसी में काशी शारदीय उत्सव समिति की बैठक हुई, जिसमें दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारियों पर चर्चा की गई। इस वर्ष पूजा में %आदि योगी% थीम पर पंडाल तैयार किया जाएगा। आयोजन 17 से 21 अक्तूबर तक होगा और विसर्जन शोभायात्रा 21 अक्तूबर को निकाली जाएगी। काशी शारदीय उत्सव समिति की रविवार को आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव के संबंध में बैठक हुई। उसमें पूजा आयोजन की तैयारियों, पंडाल निर्माण, प्रतिमा, विद्युत सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं की विस्तार से चर्चा की गई। समिति इस वर्ष आदि योगी थीम पर पंडाल तैयार करा रही है। पंडाल एवं मां दुर्गा की प्रतिमा का निर्माण बंगाल के कुशल कारीगर कर रहे हैं। समिति के अनुसार दुर्गा पूजा महोत्सव 17 से 21 अक्तूबर तक होगा। विसर्जन शोभायात्रा 21 अक्तूबर को निकाली जाएगी। बैठक में समिति के अध्यक्ष तुषार दूबे, देवांश मनीष चौबे, अभय दूबे, बीडीएन दूबे, बृजेश मौर्य, विकास श्रीवास्तव, विजेंद्र सिंह, राजकुमार उपाध्याय, रोहित दूबे, दिलीप दूबे, शांतनु चौबे, प्रियांशु दूबे, प्रशांत दूबे, गौरव कांत दूबे, आशुतोष तिवारी, मोहित दूबे, अभिनव दूबे, अक्षत श्रीवास्तव, शिवांश दूबे आदि उपस्थित रहे।

गणेश प्रतिमा विसर्जन को लेकर शासन ने कसी कमर

लोक हस्तक्षेप समाचार



इटावा/महेवा। आगामी अनंत चतुर्दशी को होने वाले गणेश प्रतिमा विसर्जन को तैयारी के मद्देनजर शासन प्रशासन अभी से चुस्त नजर आने लगा है जिलाधिकारी इटावा शुभ्रांत कुमार शुक्ला के आदेशानुसार एवं उपजिलाधिकारी भरथना काव्या सी के निर्देशन में तहसील प्रशासन ने महेवा क्षेत्र में नहर पुल बहेड़ा के पास गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु स्थान का चिन्हीकरण कर बेरीकेटिंग आदि की व्यवस्था को देखा ।

इसी क्रम में नायब तहसीलदार भरथना हर्षवर्धन अवस्थी ने अधीनस्थों के साथ सोमवार को दोपहर नहर पुल बहेड़ा पर पहुंचकर स्थान का चिन्हीकरण किया तथा क्षेत्रीय लेखपाल राहुल गोयल को बेरी कीटिंग कराने का निर्देश दिया वही गदे पानी को भी निकलवाया इस मौके पर प्रधान प्रतिनिधि बहेड़ा सुरजन सिंह पाल , सप्पू दुबे , राजाराम आदि मौजूद रहे ।

खाद्यान्न मामले पर प्रभारी मंत्री मनोज पाण्डेय का बयान, बोले–

छोटे अधिकारियों तक सीमित नहीं रहेगी कार्रवाई

मिड-डे मील और खाद्यान्न प्रकरण में बड़े अधिकारियों पर भी होगी कड़ी कार्रवाई, गरीबों के हक से खिलवाड़ करने वालों को नहीं बख्शेंगे

लोक हस्तक्षेप समाचार



सीतापुर। जनपद में मिड-डे मील एवं सरकारी खाद्यान्न से जुड़े मामले को लेकर प्रभारी मंत्री मनोज पाण्डेय ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मामले में कार्रवाई केवल छोटे अधिकारियों और कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यदि जांच में बड़े अधिकारियों की भूमिका सामने आती है तो उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रभारी मंत्री ने कहा कि ÷छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई से काम नहीं चलेगा। बड़े अधिकारी भी इसमें नहीं बचेंगे।÷ उन्होंने कहा कि गरीबों के हक के खाद्यान्न से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंत्री ने सख्त लहजे में कहा कि मामले में जो भी जिम्मेदार पाया जाएगा, उसके खिलाफ जल्द कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ भी बहुत जल्द इतनी कड़ी कार्रवाई करूंगा कि आने वाले दिनों में गरीबों के हक की तरफ सोचने की हिम्मत नहीं कर पाएंगे। प्रभारी मंत्री के इस बयान के बाद खाद्यान्न एवं मिड-डे मील प्रकरण में जिम्मेदार अधिकारियों और अन्य संबंधित लोगों पर कार्रवाई को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच में किन-किन अधिकारियों की भूमिका सामने आती है और शासन-प्रशासन की ओर से आगे क्या कदम उठाए जाते हैं।

सीतापुर में NHM संविदा कर्मचारी संघ की नई कार्यकारिणी गठित

शम्भू दयाल बने जिलाध्यक्ष डॉ. विनायक अवस्थी को महामंत्री की जिम्मेदारी।

लोक हस्तक्षेप संवाददाता



सीतापुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संघ शाखा जनपद सीतापुर की बैठक 19 सितंबर 2026 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सीतापुर के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में ह्यारूसंघ के संरक्षक DPM सुजीत वर्मा एवं DCPM रिजवानुल हक सहित सैकड़ों ह्यारू कर्मचारी उपस्थित रहे।

DPM सुजीत वर्मा के नेतृत्व में संघ की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में शम्भू दयाल को जिलाध्यक्ष तथा डॉ. विनायक अवस्थी को महामंत्री बनाया गया।

नवगठित कार्यकारिणी
शम्भू दयाल – अध्यक्ष
डॉ. विनायक अवस्थी – महामंत्री
डॉ. भूपेन्द्र सिंह – वरिष्ठ उपाध्यक्ष
डॉ. पी.एस. आनंद – वरिष्ठ उपाध्यक्ष
आवेग शुक्ला – उपाध्यक्ष/विधिक सलाहकार
दुर्गेश सिंह तोमर – उपाध्यक्ष
डॉ. ओ.पी. चौरसिया – उपाध्यक्ष
शिव शंकर राठौर – उपाध्यक्ष
राजेन्द्र पाल सिंह – उपाध्यक्ष
सत्यम शर्मा – कोषाध्यक्ष
पवन सेठ – संगठन मंत्री
राजुल मौर्या – संगठन मंत्री
अनूप मिश्रा – संगठन मंत्री
विजय पाल भार्गव – उपमंत्री/सचिव
अनुपम वर्मा – उपमंत्री/सचिव
हरिकेश वर्मा – उपमंत्री/सचिव
अनुज तिवारी – मीडिया प्रभारी
कुलदीप शुक्ला – प्रवक्ता
शुभम सिंह – कार्यालय मंत्री
अपूर्व शुक्ला – सलाहकार
रेनू वर्मा – महिला उपाध्यक्ष
दिव्या मिश्रा – महिला संगठन मंत्री
नेहा मिश्रा – महिला संगठन मंत्री
रूपेश कुमार – प्रचार-प्रसार मंत्री
देवेश मिश्रा – प्रचार-प्रसार मंत्री
जुबेर अहमद – कार्यकारिणी सदस्य
रामबली – कार्यकारिणी सदस्य
नाफिश अहमद – कार्यकारिणी सदस्य
नीरज कुमार – कार्यकारिणी सदस्य
सुमित कुमार – कार्यकारिणी सदस्य

बैठक के दौरान नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष शम्भू दयाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के आह्वान पर प्रदेश के सभी जनपदों में ज्ञापन दिया जाएगा।

हर नागरिक की समस्या का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: बृजेश पाठक

डिप्टी सीएम के आवास पर पहुंचे सैकड़ों फरियादी, त्वरित कार्रवाई से खिले चेहरे

लोक हस्तक्षेप समाचार



लखनऊ। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के आवास पर सोमवार को आयोजित जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। उपमुख्यमंत्री ने एक-एक फरियादी से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों से तत्काल संवाद कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने उपचार, आर्थिक सहायता, पुलिस, राजस्व, पारिवारिक एवं प्रशासनिक मामलों से जुड़ी अपनी समस्याएं उपमुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात की तथा पात्रता और नियमों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने में अनावश्यक देरी से बचा जाए।

पाइपलाइन लीकेज से जलापूर्ति बाधित

संवाददाता

सिद्धौर । नगर पंचायत सिद्धौर के शेखनटोला वार्ड में पाइपलाइन लीकेज से जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित है। कैसरगंज जाने वाली सड़क पर करीब दो सप्ताह से पाइप फटा होने के कारण लगभग दो फीट गहरा और चौड़ा गड्ढा हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिकायत के बावजूद नगर पंचायत प्रशासन ने अब तक मरम्मत नहीं कराई है। नफीस, हलीम, अमित, राकेश, बृजेश, मुन्ना, हसन, रियाज, सलमान, फहीम और आसिफ ने बताया कि पाइप से लगातार पानी बहने के कारण घरों तक पर्याप्त जलापूर्ति नहीं हो पा रही है। इसकी शिकायत नगर पंचायत कार्यालय में कई बार की जा चुकी है। सड़क पर प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लोगों के अनुसार रात में कई राहगीर गड्ढे में गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं। गड्ढे में पत्थर डालने से वाहन चालकों को और परेशानी हो रही है। लोगों ने जल्द मरम्मत की मांग की है।

200 साल में नहीं बदली काशी की रामलीला की परंपरा

एजेंसी



वाराणसी। वाराणसी में रामनगर की रामलीला आज भी 200 साल पुरानी परंपरा पर कायम है। इन 200 वर्षों में कभी नेमियों (जो रामनगरकी राम लीला के दर्शक होते है) ने रामलीला देखने के लिए कभी काशी से जलमार्ग का, कभी राजघाट पुल पर घुड़दौड़ का, तो कभी पीपा पुल की भी सवारी का सहारा लिया। जेम्स प्रिंसेप से जेन-जी तक रामनगर की रामलीला मंचन परंपरा में पेट्रोमैक्स और परिवहन छोड़कर कोई बदलाव नहीं हुआ। 200 साल पहले भी पीढ़ा, गुटका, चंदन और हाथ में मानस लेकर पहुंचने वाले नेमी श्रोता आज भी वैसे ही आते हैं। ब्रिटिश लाइब्रेरी में 1833 में उकेरा गया जेम्स प्रिंसेप का चित्र और आज की डिजिटल फोटोग्राफी में रामलीला के मंचन और भीड़ में कोई खास फर्क नहीं दिखता। बीएचयू में पर्यटन प्रबंधन के प्रोफेसर डॉ. राणा प्रवीन के अनुसार, इसका स्वरूप क्यों नहीं बदला या किसी ने बदलने नहीं दिया, इसका पता 50 साल पहले रामनगर आए प्रसिद्ध अमेरिकी रंगकर्मी और न्यूयॉर्क प्रायोगिक रंगमंच कंपनी द परफॉर्मेंस ग्रुप के संस्थापक रिचर्ड शेचनर देते थे। 1976 में रिचर्ड आए तो अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि यदि इसका पश्चिमी यूरोप और अमेरिका के रंगमंच की तरह से आधुनिकीकरण हुआ तो यह सिर्फ पर्यटन के आकर्षण के रूप में ही रह जाएगा। हालांकि, इस समाज को देखकर महसूस हो रहा है कि इनका आधुनिकीकरण संभव नहीं। शेचनर ने रामलीला को धर्म, मेला, तीर्थयात्रा और यूरोप-अमेरिकी नाटकों से ज्यादा बेहतर बताया था। यह भी कहा था कि भारतीय फिल्मों को मैं पतनशील मानता हूं लेकिन ये रामलीला नहीं। इन्होंने 1977 में प्रकाशित ड्रामा रिव्यू में इन बातों की चर्चा की है।तब अस्सी से प्रह्लाद घाट तक की नावें 31 दिन जाती थीं रामनगर आईआईटी बीएचयू के प्रोजेक्ट वाराणसी के लिए 10 साल पहले रिसर्च कर चुके अरविंद अरुण मिश्रा ने बताया कि रामनगर की रामलीला के नेमियों की जलमार्ग परंपरा भी रही। काशी के अस्सी से लेकर प्रह्लादघाट के 50 से ज्यादा घाटों से 100 से ज्यादा नावें चलती थीं जो नेमियों को रामनगर ले जाने के लिए गंगा पार कराती थीं। ये पूरे 31 दिनों तक चलती थीं। तब क्या राजा, क्या प्रजा, हर कोई साफा-पानी, भांग-बूटी, चंदन-काटी, काजल-टीका, पान-पत्ता लेकर नावों पर सवार हो जाता था। यह गंगा मेला की तरह होता था। हर कोई गंगा की गोद में भजन गाते-बजाते रामनगर पहुंचता था। मांझियों के लिए यही देव दीपावली थी। यही पर्यटन और आय का बड़ा साधन था। उस समय रामलीला नौका परिवहन की बड़ी वजह थी। 1867 में राजघाट का डफरिन या मालवीय पुल बना तो लोग इक्का, तांगा, नए नहाए-धोये घोड़ों से पहुंचने लगे। 1998 के दशक में विश्व सुंदरी पुल और 2015 में रामनगर पुल बना और नेमी इन पुलों से रामनगर पहुंचने लगे।

बसपा महासम्मेलन में अजय जायसवाल को घोसी से प्रत्याशी घोषित

लोक हस्तक्षेप संवाददाता



मऊ। जिले में कोपागंज के बापू इंटर कॉलेज मैदान में रविवार को बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ता महासम्मेलन में चुनावी तैयारियों का शंखनाद किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य मंडल प्रभारी एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य दिनेश चंद्रा ने कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया। सम्मेलन में घोसी विधानसभा क्षेत्र से अजय जायसवाल को बसपा का प्रत्याशी घोषित किया गया। प्रत्याशी के नाम की घोषणा होते ही कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। महासम्मेलन को लेकर सुबह तड़के से ही कोपागंज और आसपास के क्षेत्रों से बसपा कार्यकर्ताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। दोपहर तक बापू इंटर कॉलेज का मैदान कार्यकर्ताओं से भर गया। आयोजकों के अनुसार सम्मेलन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे। भीड़ और कार्यकर्ताओं के उत्साह से सभा स्थल पर माहौल जोशीला बना रहा। मुख्य अतिथि दिनेश चंद्रा ने कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत करने और चुनाव की तैयारियों में अभी से जुट जाने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। सम्मेलन में मौजूद अन्य वक्ताओं ने भी कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। सम्मेलन के दौरान घोसी विधानसभा क्षेत्र से अजय जायसवाल के नाम की घोषणा की गई। प्रत्याशी की घोषणा के बाद कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दिया। वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से संगठन की नीतियों और कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने तथा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बसपा के प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर, ओंकार शास्त्री, इंदल राम, सलीम अंसारी, अरशद जमाल, जितेंद्र गोयल समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सुबह से ही कार्यकर्ताओं के पहुंचने से बापूथ इंटर कॉलेज परिसर और आसपास के क्षेत्र में काफी चहल-पहल रही।

किसानों की मांगों को लेकर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन, सात सूत्रीय मांगें उठाईं

लोक हस्तक्षेप समाचार



इटावा। भारतीय किसान यूनियन 'भानु' की ओर से किसानों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर प्रधानमंत्री के नाम संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन भेजा गया। ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से केंद्र सरकार तक पहुंचाने की मांग की गई है। संगठन ने किसानों के हित में नीतिगत सुधार किए जाने की मांग उठाई।

ज्ञापन में संगठन ने किसानों की स्थिति एवं समस्याओं की समय-समय पर समीक्षा के लिए किसान आयोग के गठन, कृषि उपज की खरीद व्यवस्था को मजबूत करने तथा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने की मांग की है। संगठन ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकारी स्तर पर प्रभावी व्यवस्था किए जाने पर भी जोर दिया।

किसान यूनियन ने कहा कि किसानों को सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से मिलना चाहिए। शिक्षा एवं चिकित्सा सुविधाओं में सुधार, ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में सरकारी शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था तथा सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकीय सुविधाएं बेहतर किए जाने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है।

इसके अलावा सरकारी कर्मचारी और समाजसेवा के नाम पर राजनीति करने वाले नेताओं के संबंध में पारदर्शिता तथा भ्रष्टाचार के मामलों में कठोर कार्रवाई की मांग उठाई गई। टोल टैक्स व्यवस्था में सुधार कर देशभर के टोल नाकों को जनता के लिए राहत देने की मांग भी संगठन ने रखी।

ज्ञापन में जवानों और किसानों की दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग भी की गई है।

भारतीय किसान यूनियन 'भानु' ने चेतावनी दी कि यदि संगठन की मांगों पर सरकार ने शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की तो संगठन के नेतृत्व में आंदोलन किया जाएगा।

ज्ञापन में शालू अली राष्ट्रीय प्रचार मंत्री, सिमरन राष्ट्रीय प्रभारी महिला मोर्चा, मनोज कुमार कठेरिया प्रदेश उपाध्यक्ष,मोहित राठौर जिला अध्यक्ष, मोहम्मद हनीफ जिला अध्यक्ष ओम प्रताप सेना सहित कई लोगों शामिल हुए।

काशी में सोनार महासमागम का ऐतिहासिक आयोजन, स्वर्ण व्यवसायियों ने भरी हुंकार

विशेष संवाददाता, चंदौली। धर्म और संस्कृति की नगरी काशी में आयोजित सोनार महासमाग में समाज और व्यापार जगत का एक अभूतपूर्व नजारा देखने को मिला। महासमागम के मुख्य सभागार में हजारों-लाखों की संख्या में पहुंचे स्वर्ण व्यवसायियों ने अपनी उपस्थित दर्ज कराकर पूरे काशी क्षेत्र में एक बड़ी हुंकार भरी है। कार्यक्रम के दौरान पूरा परिसर खचाखच भरा रहा और लोगों में भारी उत्साह देखा गया। एकजुटता और ताकत का प्रदर्शन, सभागार के मुख्य मंच पर समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंच की पृष्ठभूमि (बैकड्रॉप) पर ÷सोनार महासमागम काशी÷ का भव्य बैनर लगा हुआ था, जिस पर काशी विश्वनाथ मंदिर और प्रभु श्रीराम की आकृतियां समाज की सांस्कृतिक विरासत को दर्शा रही थीं। मंच से अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्रम और माल्यार्पण कर किया गया। व्यापारिक हितों और एकजुटता पर चर्चा,सभागार में मौजूद विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने स्वर्ण व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों के हितों की रक्षा, सुरक्षा और उनके सामाजिक उत्थान पर विशेष जोर दिया। समाज के नेताओं ने कहा कि काशी की धरती से उठी यह एकजुटता की आवाज पूरे प्रदेश और देश के स्वर्ण व्यवसायियों को एक नई दिशा देगी। व्यापारिक समस्याओं के समाधान के साथ-साथ समाज को आर्थिक और राजनीतिक रूप से सुदृढ़ बनाने का संकल्प लिया गया। सभागार पड़ा छोटा, उमड़ी भारी भीड़,सोनार महासमागम में उमड़ी भीड़ का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मुख्य सभागार की सभी सीटें फुल होने के बाद भी सैकड़ों लोग खड़े होकर कार्यक्रम को सुनते रहे। काशी क्षेत्र के कोने-कोने से आए छोटे-बड़े स्वर्ण व्यवसायियों, कारीगरों और समाज के युवाओं की भारी भागीदारी ने इस आयोजन को ऐतिहासिक और सफल बना दिया। जहां चंदौली जिले की अगुआई कर रहे गिरधर प्रसाद सर्राफ द्वारा हजारों व्यापारियों को एकत्रित करने का कार्य किया गया। वही सकलडीहा क्षेत्र के विभिन्न ग्राम सभाओं से स्वर्ण व्यवसायी व समाज के लोग इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

युवा शक्ति भारत के विकसित राष्ट्र बनने की सबसे बड़ी ताकत : पंकज चौधरी

संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज की युवा शक्ति भारत के वर्तमान और स्वर्णिम भविष्य की दिशा तय करने वाली सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि मेरठ की क्रांतिधरा 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियों से जुड़ी है और कोतवाल धन सिंह गुर्जर तथा राव कदम सिंह जैसे क्रांतिकारियों की वीरता की यह धरती युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। युवा संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी मौजूद रहे।पंकज चौधरी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देशों में शामिल है और 35 वर्ष से कम आयु की आबादी देश की बड़ी युवा शक्ति है। उन्होंने कहा कि यह युवा शक्ति देश की वैश्विक पहचान को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वित्तीय प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, रक्षा और नई तकनीकों से जुड़े नए उद्यमों में युवाओं की भागीदारी बढ़ी है।



उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए युवाओं से राष्ट्र निर्माण में अपनी ऊर्जा और प्रतिभा लगाने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश में युवाओं के लिए नए अवसर तैयार किए जा रहे हैं। पंकज चौधरी ने कहा कि भारत दुनिया के प्रमुख नए उद्यम तंत्रों में शामिल हो चुका है और छोटे शहरों से निकलकर युवा नई तकनीकों और विचारों के साथ कारोबार खड़े कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने नए उद्यमों को प्रोत्साहित करने के लिए एंजेल कर समाप्त किया है। उत्तर प्रदेश की नई स्टार्टअप नीति में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन और रोबोटिक्स जैसी उभरती तकनीकों पर जोर दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में 24 हजार से अधिक मान्यता प्राप्त नए उद्यमों का तंत्र मौजूद है।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने मंगलयान, गगनयान, चंद्रयान और आदित्य-एल1 जैसे अंतरिक्ष अभियानों के माध्यम से देश की क्षमता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं के कौशल विकास के लिए सरकार विभिन्न स्तरों पर काम कर रही है, ताकि युवाओं को रोजगार के अवसर मिलें और उनके हुनर को पहचान मिले।उन्होंने कहा कि युवाओं के कौशल को आगे बढ़ाने के लिए मेरठ के सरधना में 250 करोड़ रुपये की लागत से उत्तर प्रदेश का पहला मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय स्थापित किया गया है और जून 2026 से उसका पहला सत्र शुरू हुआ है। पंकज चौधरी ने पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उस दौर में युवाओं को गलत दिशा में ले जाया जाता था, जबकि वर्तमान सरकार युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर दे रही है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था बेहतर होने से निवेश का वातावरण मजबूत हुआ है और इससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं।पंकज चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे का नेटवर्क तेजी से विकसित हुआ है और प्रदेश आर्थिक विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस बदलाव में प्रदेश की युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मेरठ की क्रांतिधरा से युवाओं से राष्ट्र प्रथम, अनुशासन और निरंतरता का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को भटकाव से दूर रहकर अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और समाज में भाईचारे, स्वच्छता तथा सकारात्मक बदलाव के वाहक बनना चाहिए। उन्होंने देश को बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट रहने की अपील करते हुए कहा कि यदि युवा संकल्प लें तो भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

पीसीएस से आईएएस बने 17 अधिकारियों को जल्द मिलेगी नई तैनाती

लखनऊ संवाददाता । पीसीएस से आईएएस संवर्ग में पदोन्नत हुए 17 अधिकारियों को जल्द ही नई तैनाती मिलने की संभावना है। शासन स्तर पर इन अधिकारियों की तैनाती को लेकर प्रक्रिया अंतिम चरण में बताई जा रही है। प्रस्तावित तैनाती के तहत राज कुमार द्विवेदी को अपर आयुक्त विंध्याचल मंडल, हर्ष देव पांडे को परीक्षा नियंत्रक यूपीपीसीएस, शैलेंद्र कुमार सिंह को ओएसडी यमुना प्राधिकरण, नरेंद्र बहादुर सिंह को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व लखीमपुर खीरी, संतोष बहादुर सिंह को अपर जिलाधिकारी प्रशासन सहारनपुर और विजय कुमार सिंह को मुख्य राजस्व अधिकारी देवरिया बनाया जा सकता है। वहीं सुशीला को अपर आयुक्त कानपुर, अतुल कुमार को अपर आयुक्त मुरादाबाद, अमित सिंह को उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी, प्रियंका सिंह को कमांडेंट सिविल डिफेंस प्रशिक्षण संस्थान, अमित कुमार को अपर जिलाधिकारी प्रशासन कानपुर देहात और गरिमा स्वरूप को ओएसडी निर्वाचन उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। इसके अलावा संदीप कुमार को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व हापुड़, राकेश कुमार सिंह को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व लखनऊ, अमित कुमार को अपर आयुक्त मेरठ, पूनम निगम को उप सचिव यूपीपीसीएस तथा डॉ. नितिन मदान को अपर जिलाधिकारी प्रशासन रामपुर के पद पर तैनाती दी जा सकती है। इन सभी अधिकारियों को लेकर शासन की ओर से शीघ्र ही तैनाती आदेश जारी किए जाने की संभावना है।

गैर-जमानती वारंट में वांछित आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ संवाददाता । निगोहां पुलिस ने गैर-जमानती वारंट में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस के अनुसार 21 सितंबर को न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंटों के अनुपालन में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान निगोहां पुलिस ने वाद संख्या 70374/2024 और परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 से संबंधित गैर-जमानती वारंट में वांछित जमुना प्रसाद पुत्र राम गोपाल निवासी ग्राम बघौना, थाना निगोहां, लखनऊ को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की उम्र करीब 33 वर्ष बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना निगोहां पुलिस के कर्मी शामिल रहे।

खड़े डंपर से टकराई कार, 112 मुख्यालय में तैनात उप निरीक्षक की मौत

लखनऊ संवाददाता । सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह सड़क हादसे में 112 मुख्यालय, लखनऊ में तैनात उप निरीक्षक सतेंद्र सिंह की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार दारोगाखेड़ा के पास एक कार के सड़क किनारे खड़े डंपर से टकराने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची तो वैगनआर कार डंपर संख्या यूपी32 डब्ल्यूएन 9889 में पीछे से टकराई मिली। कार के अंदर वर्दी में उप निरीक्षक सतेंद्र सिंह घायल अवस्था में मिले। पुलिस ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरोजनीनगर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।पुलिस के अनुसार सतेंद्र सिंह की उम्र करीब 52 वर्ष थी और वह कानपुर नगर के कोयला नगर स्थित सनिगवां के निवासी थे। वर्तमान में वह 112 मुख्यालय, लखनऊ में तैनात थे। हादसे की सूचना उनके परिजनों को दी गई, जिसके बाद परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरोजनीनगर पहुंच गए। पुलिस ने नियमानुसार शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के संबंध में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

साथी छात्रा की मौत के बाद केजीएमयू नर्सिंग छात्रों का प्रदर्शन

लखनऊ संवाददाता । राजधानी के केजीएमयू में सोमवार सुबह नर्सिंग छात्रों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। साथी छात्रा की मौत के बाद बड़ी संख्या में नर्सिंग छात्र विभाग में जुट गए और घेराव कर धरने पर बैठ गए। इस दौरान छात्र 'वी वांट जस्टिस' के नारे लगा रहे हैं। मौके पर डीन नर्सिंग समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद हैं। अधिकारी छात्रों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन छात्रों में आक्रोश बना हुआ है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों के मुताबिक, नर्सिंग छात्रा दिव्यांशी यादव को डेंगू हुआ था। छात्रों का आरोप है कि बीमारी के दौरान उसे छुट्टी नहीं दी गई। इसके बाद इलाज के लिए उसे वाराणसी ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। प्रदर्शन कर रहे नर्सिंग छात्र के मुताबिक दिव्यांशी यादव नाम की 2025 बैच की छात्रा की कई दिनों से तबीयत खराब थी। छात्रों का आरोप है कि तबीयत खराब होने के बावजूद उसे छुट्टी नहीं दी जा रही थी। तीन दिन पहले इलाज के दौरान दिव्यांशी की मौत हो गई। छात्रा की मौत के बाद नर्सिंग छात्रों में आक्रोश है। छात्र मामले में जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जिम्मेदार इंडियन नर्सिंग काउंसिल के नियमों का खुलेआम उल्लंघन करते है और मनमानी करते है। इसका खामियाजा यहां के छात्रों को भुगतना पड़ रहा है।

सीएम आवास के पास टावर पर चढ़ी आगरा की महिला, लखनऊ में मचा हड़कंप

लखनऊ संवाददाता ।

राजधानी में सोमवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब आगरा की रहने वाली एक महिला हजरतगंज स्थित पार्क रोड के पास एक ऊंचे टावर पर चढ़ गई। यह इलाका मुख्यमंत्री आवास के करीब है। महिला को टावर पर चढ़ा देख राहगीरों और आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची। अधिकारियों ने महिला को समझाकर नीचे उतारने की कोशिश शुरू की। पुलिस और दमकलकर्मियों ने महिला से बातचीत कर उसे नीचे आने के लिए मनाने का प्रयास किया। काफी देर की कोशिश के बाद महिला को सुरक्षित टावर से नीचे उतार लिया गया। इसके बाद पुलिस ने महिला से पूछताछ कर उसके लखनऊ आने और टावर पर चढ़ने की वजह जानने का प्रयास किया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और पोस्ट के मुताबिक, महिला आगरा की रहने वाली है और किसी विवाद के संबंध में अधिकारियों तक अपनी बात पहुंचाने के लिए लखनऊ आई थी। शुरुआती जानकारी में जमीन विवाद का भी दावा किया गया है। हालांकि, जमीन विवाद से जुड़ी इस जानकारी की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस की पूछताछ और जांच के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर साफ होगी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, महिला अपनी शिकायत लेकर लखनऊ पहुंची थी। हालांकि वह किस मामले में मुख्यमंत्री या अधिकारियों से मिलना चाहती थी और टावर पर चढ़ने की वास्तविक वजह क्या थी, इस संबंध में अभी विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और महिला से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क पर चलती कार में अचानक आग लगी

संवाददाता

लखनऊ । राजधानी में सोमवार को सड़क पर चलती कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। कार धू-धूकर जलने लगी। घटना निगोहां थाना क्षेत्र के लालपुर गांव की है। कार से आग की लपटें उठती देखकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें कार पूरी तरह आग की लपटों से घिरी नजर आ रही है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। फिलहाल कार में आग लगने की वजह साफ नहीं हो सकी है। यह भी पता नहीं चला है कि घटना

गौशालाएं बनेंगी गांव की संस्कृति और ग्रामीण जीवन की पहचान, गो-पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

संवाददाता

लखनऊ, । आने वाले समय में गांवों की गोशालाएं केवल गो-संरक्षण तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि स्थानीय संस्कृति, परंपरा और ग्रामीण जीवन की पहचान के रूप में भी विकसित की जाएंगी। योगी सरकार ने गो-संरक्षण के लिए संचालित गोशालाओं को क्षेत्र की परंपरा, भौगोलिक परिस्थितियों और ग्रामीण जरूरतों के अनुरूप विकसित करने की तैयारी की है। चयनित गोशालाओं, कान्हा हाउस और बड़े गो-संरक्षण केंद्रों को गो-पर्यटन से जोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर तलाशे जाएंगे।उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि प्रस्तावित व्यवस्था में गोशालाओं में गो-संरक्षण के साथ पर्यटन और स्थानीय गतिविधियों को भी स्थान दिया जाएगा। इसका उद्देश्य किसी क्षेत्र की संस्कृति और परंपरा को वहां की गोशाला से जोड़ना है, ताकि गोशाला केवल पशु संरक्षण का केंद्र न रहकर ग्रामीण जीवन और स्थानीय पहचान से परिचित कराने का माध्यम भी बन सके। क्षेत्र की विशेषताओं के अनुरूप ऐसी गतिविधियां विकसित की जाएंगी, जिनके माध्यम से बाहर से आने वाले लोग गांव की जीवनशैली, पशुपालन, स्थानीय खान-पान, कला, शिल्प और परंपराओं को करीब से जान सकें। गो-पर्यटन का स्वरूप सभी स्थानों पर एक जैसा नहीं होगा, बल्कि जिस क्षेत्र की जो विशेषता होगी, उसी के अनुरूप गोशाला को विकसित किया जाएगा।चयनित गोशालाओं में मांगलिक और सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन की सुविधाएं विकसित करने की भी तैयारी है। इससे गोशालाओं का उपयोग दैनिक गो-संरक्षण गतिविधियों के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए भी हो सकेगा। ग्रामीण परिवेश के बीच पारंपरिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए ऐसे स्थलों को विकसित करने की योजना है, जिससे गोशालाओं के आसपास आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल सके।आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि गो-पर्यटन का लाभ केवल गोशाला परिसर तक सीमित नहीं रहेगा। आसपास रहने वाले ग्रामीणों, स्वयं सहायता समूहों, स्थानीय कारीगरों, छोटे कारोबारियों और खान-पान से जुड़े लोगों के लिए भी नए अवसर पैदा होंगे। पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से स्थानीय उत्पादों और सेवाओं की मांग बढ़ सकती है। गोशालाओं के आसपास स्थानीय उत्पादों, ग्रामीण कला और पारंपरिक गतिविधियों को स्थान देकर गांव की विशिष्ट पहचान को सामने लाने का प्रयास किया जाएगा। इस तरह गोशालाओं को स्थानीय अर्थव्यवस्था से जोड़ने की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी।श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गो-संरक्षण केंद्रों को नया स्वरूप देने की रणनीति तैयार की जा रही है। चयनित गोशालाओं के साथ कान्हा हाउस और बड़े गो-संरक्षण केंद्रों को भी विकसित किया जाएगा। इस पहल में गोशालाओं को गांव की सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना से जोड़ने पर विशेष जोर रहेगा। गो-संरक्षण की मूल भूमिका बरकरार रखते हुए इनके उपयोग का दायरा बढ़ाया जाएगा, ताकि गांव आने वाला व्यक्ति गोशाला देखने के साथ वहां की संस्कृति, परंपरा और ग्रामीण जीवन का अनुभव भी कर सके। आने वाले समय में चयनित गोशालाएं ग्रामीण पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित होकर गांव की पहचान का हिस्सा बन सकती हैं।

विद्यार्थियों ने 'नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो' विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया

लखनऊ संवाददाता । उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से 20 सितम्बर, 2026 को देर शाम जन भवन, लखनऊ में खवाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के विद्यार्थियों द्वारा 'नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो' विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से लोगों, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से यह दर्शाया कि नशे की आदत व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करती है। नाटक में युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचने, स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने तथा अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए सजग रहने का संदेश दिया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति के लिए व्यक्तिगत जागरूकता के साथ सामूहिक सहभागिता की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। प्रस्तुति में युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ समाज एवं नशा मुक्त राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।यह जागरूकता कार्यक्रम भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशा मुक्ति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है।लखनऊ, । आने वाले समय में गांवों की गोशालाएं केवल गो-संरक्षण तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि स्थानीय संस्कृति, परंपरा और ग्रामीण जीवन की पहचान के रूप में भी विकसित की जाएंगी। योगी सरकार ने गो-संरक्षण के लिए संचालित गोशालाओं को क्षेत्र की परंपरा, भौगोलिक परिस्थितियों और ग्रामीण जरूरतों के अनुरूप विकसित करने की तैयारी की है। चयनित गोशालाओं, कान्हा हाउस और बड़े गो-संरक्षण केंद्रों को गो-पर्यटन से जोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर तलाशे जाएंगे।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आदर्श माध्यमिक विद्यालय में निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित



संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से संचालित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आज जन भवन स्थित आदर्श माध्यमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वस्थ जीवनशैली, नशा मुक्ति एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूकता तथा रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना रहा। निबंध प्रतियोगिता का विषय 'स्वस्थ तन, स्वस्थ मन' प्रगति का आधार' रखा गया। वहीं स्लोगन प्रतियोगिता के लिए 'नशा मुक्ति' एवं 'जल संरक्षण' विषय निर्धारित किए गए। प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 10 तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में आदर्श माध्यमिक विद्यालय, जन भवन के साथ-साथ जन भवन में निवासरत विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने निर्धारित विषयों पर अपने विचारों को निबंध एवं प्रभावी स्लोगनों के माध्यम से प्रस्तुत किया।इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती रश्मि पांडे, चिकित्सा अधिकारी डॉ. मिथिलेश भारती, डॉ. अमिता वर्मा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में विद्युत और जनसुविधाओं से जुड़ी शिकायतें सुनीं

संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने सोमवार को अपने आवास पर जनसुनवाई कर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान लोगों ने विद्युत, नगर विकास और जनसुविधाओं से जुड़ी समस्याएं मंत्री के समक्ष रखीं। ए.के. शर्मा ने प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल संज्ञान लेकर गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई में विद्युत बिल में संशोधन, जर्जर एवं पुराने विद्युत तारों को बदलने, विद्युत आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं के साथ सड़क की सफाई, सीवर और पेयजल से संबंधित मामले प्रमुख रूप से सामने आए। मंत्री ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से शिकायतों के संबंध में जानकारी लेते हुए कहा कि जनसामान्य की मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मामलों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। विद्युत संबंधी शिकायतों में बिलों की जांच कर पात्र मामलों में नियमानुसार तत्काल संशोधन कराने के निर्देश दिए गए। जर्जर और क्षतिग्रस्त विद्युत तारों के मामलों में मौके का निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार तार बदलने तथा विद्युत सुरक्षा के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया।नगर विकास से जुड़ी शिकायतों पर मंत्री ने सड़क सफाई व्यवस्था बेहतर करने, सीवर की समस्याओं का स्थायी समाधान करने और पेयजल संबंधी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में केवल औपचारिकता नहीं होनी चाहिए, बल्कि अधिकारी मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति की जांच करें और शिकायतकर्ता को संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराएं।ए.के. शर्मा ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की समस्याओं को सीधे सुनना और उनका प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। प्रदेश सरकार की प्राथमिकता प्रत्येक नागरिक को बेहतर विद्युत आपूर्ति के साथ स्वच्छ सड़कें, सुचारु सीवर व्यवस्था और पर्याप्त पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसामान्य की समस्याओं के निस्तारण में संवेदनशीलता, तत्परता और जवाबदेही के साथ कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का दायित्व है कि वे जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और उनके समाधान के लिए प्रभावी कार्रवाई करें। जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक शिकायत की प्रगति की निगरानी की जाए, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

प्रेम संबंध में बाधा बने पति की हत्या की साजिश, पत्नी समेत दो गिरफ्तार

संवाददाता

लखनऊ। कृष्णानगर पुलिस ने अवैध प्रेम संबंध में बाधा बन रहे पति की हत्या की साजिश रचने के आरोप में पत्नी समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार 13-14 सितंबर की रात कृष्णानगर क्षेत्र में रामबाबू मौर्य की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। मामले में मृतक के भाई श्याम बाबू मौर्य की तहरीर पर 14 सितंबर को अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।घटना के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी ने चार टीमों का गठन किया था। पुलिस टीमों ने करीब 180 से 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ तकनीकी, मैनुअल साक्ष्यों और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से नीरज मौर्य और मृतक की पत्नी पुष्पा मौर्य को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में पुष्पा ने बताया कि उसकी शादी रामबाबू से करीब 12 वर्ष पहले हुई थी। पिछले कुछ समय से उसके रिश्तेदार नीरज मौर्य से प्रेम संबंध थे। इसकी जानकारी रामबाबू को होने के बाद पति-पत्नी के बीच विवाद होने लगा और नीरज का घर आना-जाना भी बंद हो गया।पुलिस के अनुसार पूछताछ में पुष्पा ने बताया कि इसके बाद उसने नीरज के साथ मिलकर रामबाबू की हत्या की योजना बनाई। योजना के तहत पहले रामबाबू की मोटरसाइकिल गायब कराई गई और बाद में नीरज की मदद से उसे बरामद कराया गया, जिससे रामबाबू का नीरज पर दोबारा विश्वास कायम हो गया और उसका घर आना-जाना शुरू हो गया। इसके बाद पुष्पा ने पति को बालाजी दर्शन के लिए जाने की बात कहकर घर से बाहर जाने की योजना बनाई, जबकि नीरज को हत्या का मौका और सहयोग दिया।पुलिस के मुताबिक योजना के तहत नीरज ने रामबाबू को पार्टी करने के बहाने कृष्णानगर बुलाया और शराब पिलाई। इसी दौरान घरेलू चाकू से उसके गले पर वार कर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद नीरज मौके से फरार हो गया और मृतक के भाई को कथित तौर पर झूठी सूचना दी। पुलिस के मुताबिक संदेह से बचने के लिए पुष्पा वापस लौटकर मृतक के परिजनों के साथ मौजूद रही। दोनों आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें !

महत्वपूर्ण सूचना

पूजा विशेष रेलगाड़ियों के फेरों में वृद्धि

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा निम्नलिखित पूजा विशेष रेलगाड़ियों की परिचालन अवधि को निम्नानुसार बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ी संख्या एवं रेलगाड़ी नाम	आवृति/ चलने के दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तारित अवधि	स्थान	कुल अतिरिक्त फेरे
09093 उधना जं. – अयोध्या कैंट वाया लखनऊ	शुक्रवार	28.08.26	16.10, 23.10, 30.10, 06.11 & 13.11.2026	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान	10
09094 अयोध्या कैंट–उधना जं.	शनिवार	29.08.26	17.10, 24.10, 31.10, 07.11 & 14.11.2026		
09097 उधना जं. – अयोध्या कैंट वाया लखनऊ	मंगलवार	25.08.26	06.10, 13.10, 20.10, 27.10, 03.11, 10.11, 17.11 & 24.11.2026	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान	16
09098 अयोध्या कैंट–उधना जं.	बुधवार	26.08.26	07.10, 14.10, 21.10, 28.10, 04.11, 11.11, 18.11 & 25.11.2026		
09183 मुंबई सेन्ट्रल–मऊ जं. वाया वाराणसी जं.	बुधवार	30.09.26	07.10, 14.10, 21.10, 28.10, 04.11, 11.11, 18.11 & 25.11.2026	प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर इकॉनामी	16
09184 मऊ जं. – मुंबई सेन्ट्रल–	शुक्रवार	02.10.26	09.10, 16.10, 23.10, 30.10, 06.11, 13.11, 20.11 & 27.11.2026		

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

पर हमें फॉलो करें

3268/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ



हर देश के लिए जरूरी है शांति मंत्रालय

हर वर्ष 21 सितंबर को दुनिया अंतरराष्ट्रीय शांति दिवसश् मनाती है। संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएन) ने 1981 में इसकी शुरुआत इस उद्देश्य से की थी कि विश्व समुदाय युद्ध और हिंसा से ऊपर उठकर शांति, संवाद और सह-अस्तित्व की संस्कृति को मजबूत करे। वर्ष 2001 में यूएन ने सर्वसम्मति से इस दिन को श्वैश्विक संघर्ष-विराम और अहिंसा दिवस के रूप में भी मान्यता दी, लेकिन दुर्भाग्य से जिस दुनिया में शांति के नाम पर एक दिन समर्पित है, उसी दुनिया में वर्ष के शेष दिनों में युद्धों की तैयारी अधिक व्यवस्थित ढंग से होती दिखती है। बीसवीं सदी के दो विश्वयुद्धों और हिरोशिमा-नागासाकी की त्रासदी ने मानवता को विश्वास दिलाया था कि शायद अब युद्ध इतिहास की बात बन जाएंगे, किंतु इक्कीसवीं सदी में ऐसा नहीं हुआ। रूस-यूक्रेन युद्ध तीसरे वर्ष में है। गाजा में मानवीय संकट गहराता जा रहा है। पश्चिम एशिया, अफ्रीका के अनेक गृहयुद्ध और एशिया में बढ़ते सामरिक तनाव बताते हैं कि आधुनिक विश्व अभी भी हथियारों के भरोसे सुरक्षा खोज रहा है। परमाणु हथियारों का जखीरा आज भी हजारों की संख्या में मौजूद है और वैश्विक सैन्य बजट लगातार बढ़ रहे हैं। तो क्या हथियारों की बढ़ती संख्या दुनिया को अधिक सुरक्षित बना रही है? गांधीवादी चिंतक और लेखक सतीश कुमार ने इसी प्रश्न को नए दृष्टिकोण से उठाया है। अपने एक लेख में उन्होंने कहा है कि जिस प्रकार लगभग हर देश में रक्षा मंत्रालय हैं, उसी प्रकार प्रत्येक देश में शांति मंत्रालय भी होना चाहिए। ऐसा मंत्रालय समाज में संवाद, मध्यस्थता, शांति शिक्षा, अहिंसक प्रतिरोध, सामुदायिक मेल-मिलाप और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने का काम कर सकता है। यदि सरकारें युद्ध की तैयारी के लिए विशाल संस्थागत ढांचे विकसित कर सकती हैं, तो शांति की तैयारी के लिए भी संस्थागत व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। पहली दृष्टि में यह विचार आदर्शवादी लग सकता है, लेकिन वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में इसकी प्रासंगिकता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दुनिया के लगभग सभी देशों के पास रक्षा मंत्रालय, सेनाएं, युद्ध रणनीतियां और हथियारों के आधुनिकीकरण की योजनाएं हैं, किंतु शायद ही कोई ऐसा देश हो जहां संवाद, मेल-मिलाप, संघर्ष-निवारण और शांति शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अलग मंत्रालय हो। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार वर्ष 2024 में दुनिया का सैन्य व्यय लगभग 2.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था, जो अब तक का सर्वाधिक है। यह लगातार दसवां वर्ष था, जब वैश्विक रक्षा व्यय में वृद्धि दर्ज की गई। अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत सबसे अधिक रक्षा व्यय करने वाले देशों में शामिल हैं। इसके विपरीत यूएन की अनेक मानवीय और शांति-स्थापना एजेंसियां संसाधनों की कमी से जूझती रहती हैं। यह विरोधाभास बताता है कि विश्व राजनीति की प्राथमिकताएं किस दिशा में झुकी हुई हैं। युद्ध की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से अधिक राष्ट्र के आम नागरिक चुकाते हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) के अनुसार दुनिया में 12 करोड़ से अधिक लोग युद्ध, हिंसा और उत्पीड़न के कारण अपने घर छोड़ने को विवश हैं। गाजा, यूक्रेन और सूडान जैसे क्षेत्रों में स्कूल, अस्पताल और नागरिक बस्तियां नष्ट हुई हैं। लाखों बच्चे शिक्षा से वंचित हुए हैं और असंख्य परिवार विस्थापन का जीवन जी रहे हैं। आधुनिक युद्ध केवल सीमाओं को नहीं, बल्कि समाजों के विश्वास, मानवीय गरिमा और भविष्य को भी समाप्त करते हैं। युद्ध का एक और गंभीर पक्ष पर्यावरणीय विनाश है। आधुनिक सेनाएं भारी मात्रा में जीवाश्म ईंधन का उपयोग करती हैं। बमबारी से जंगल, कृषि भूमि और जलस्रोत नष्ट होते हैं। औद्योगिक प्रतिष्ठानों के ध्वस्त होने से विषैले रसायन वातावरण में फैलते हैं और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ता है। सतीश कुमार का प्रस्ताव है कि रक्षा बजट का एक हिस्सा शांति निर्माण के लिए निर्धारित किया जाना चाहिए। शांति मंत्रालय का कार्य केवल युद्ध रोकना नहीं, बल्कि शांति शिक्षा, संवाद, मध्यस्थता, सामुदायिक मेल-मिलाप, अहिंसक प्रतिरोध, संघर्ष-निवारण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना होगा। दरअसल, शांति को संस्थागत रूप देने का विचार नया नहीं है। महात्मा गांधी का मानना था कि हिंसा अंततरू प्रतिहिंसा को जन्म देती है। स्वतंत्रता आंदोलन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां करोड़ों लोगों ने बिना हथियार एक साम्राज्य को चुनौती दी। गांधी का स्वराज केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं थाय वह ऐसे समाज की परिकल्पना थी जहां संघर्षों का समाधान संवाद और नैतिक शक्ति से हो। गांधी की इसी परंपरा को विनोबा भावे, दादा धर्माधिकारी, जयप्रकाश नारायण और नारायण देसाई जैसे अनेक विचारकों ने आगे बढ़ाया और समाज में संवाद, रचनात्मक कार्यक्रमों और अहिंसक संघर्षों को लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति माना। इन सभी का विश्वास था कि स्थायी सुरक्षा हथियारों से नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण समाज, लोकतांत्रिक भागीदारी और अहिंसक संस्कृति से आती है। इस दृष्टि से शशांति मंत्रालयश् का प्रस्ताव गांधीवादी चिंतन का समकालीन संस्थागत विस्तार प्रतीत होता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन और दार्शनिक बर्ट्रेंड रसेल ने भी मानवता को यही चेतावनी दी थी। 1955 के प्रसिद्ध रसेल-आइंस्टीन घोषणापत्र में उन्होंने विश्व नेताओं से आग्रह किया था कि वे युद्ध की बजाय मानव अस्तित्व को प्राथमिकता दें। घोषणापत्र का सबसे प्रसिद्ध वाक्य आज भी प्रासंगिक है-अपनी मनुष्यता को याद रखिए और बाकी सब भूल जाइए। यही विचार आगे चलकर परमाणु निरस्त्रीकरण और वैश्विक शांति आंदोलनों की प्रेरणा बना। यूएन की स्थापना इसी विश्वास के साथ हुई थी कि आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाया जाए। यूएन चार्टर की प्रस्तावना में इसका स्पष्ट उल्लेख है। शांति स्थापना अभियानों, संघर्ष-निवारण, मध्यस्थता और अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस जैसी पहलों के माध्यम से यूएन लगातार प्रयास करता रहा है। हालांकि महाशक्तियों के राजनीतिक हित और वीटो व्यवस्था अक्सर इन प्रयासों को सीमित कर देते हैं। भारत के लिए यह विमर्श विशेष महत्व का है। अहिंसा परमो धर्म, वसुधैव कुटुम्बकम और गांधी का सत्याग्रह केवल आदर्श नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति के वैकल्पिक मूल्य भी हैं। भारत अपनी सुरक्षा जरूरतों से समझौता किए बिना भी शांति शिक्षा, संघर्ष-समाधान, मानवीय कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के क्षेत्रों में नई पहल कर सकता है। यदि भारत एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का संदेश विश्व समुदाय को दे सकता है, तो शांति को सार्वजनिक नीति का विषय बनाने की बहस का नेतृत्व भी कर सकता है। केवल एक नया मंत्रालय बना देने से युद्ध समाप्त नहीं होंगे। युद्धों के पीछे भू-राजनीतिक हित, संसाधनों की प्रतिस्पर्धा और वैचारिक टकराव जैसे अनेक कारण होते हैं। फिर भी संस्थाएं समाज की प्राथमिकताओं का प्रतीक होती हैं। जिस प्रकार पर्यावरण संरक्षण के लिए अलग मंत्रालय बनने के बाद पर्यावरण नीति को नई पहचान मिली और आपदा प्रबंधन के लिए अलग संस्थागत व्यवस्था विकसित हुई, उसी प्रकार शांति के लिए समर्पित संस्थान भी यह संदेश देंगे कि राष्ट्र

पिघलते ग्लेशियर और खोखले होते पहाड़: चेतावनी सुने

नेपाल की त्रासदी को केवल एक देश की प्राकृतिक आपदा मानकर भूल जाना सबसे बड़ी भूल होगी। उसने हमें बताया है कि जलवायु परिवर्तन और भूगर्भीय अस्थिरता मिलकर ऐसी आपदाओं को जन्म दे सकती हैं जिनके सामने पारंपरिक आपदा-प्रबंधन की क्षमता भी सीमित पड़ सकती है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि 26 अगस्त की घटना में जलवायु परिवर्तन को अकेला कारण नहीं माना जा सकता, भूगर्भीय संरचना और पूर्व की भूकंपीय गतिविधियां भी महत्वपूर्ण थीं। लेकिन लंबे समय का तापमान बढ़ना, बर्फ का क्षरण और पर्माफ्रॉस्ट का पिघलना जोखिम को बढ़ाने वाले कारक बने।

ललित गर्ग
****

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत-शृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी ग्लॉक-आइस अवलांच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है। नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटांग लिरुंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया। वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक गर्म होते वातावरण, ग्लेशियरों के पतले होने, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और पहले से मौजूद भूगर्भीय कमजोरियों ने पहाड़ी ढलान की स्थिरता



को प्रभावित किया। 26 अगस्त की घटना में चट्टान, बर्फ और मलबे का प्रवाह इतनी तेजी से नीचे आया कि उसने रास्ते में बसे क्षेत्रों, पुलों, सड़कों और जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। यह त्रासदी हिमालय के लिए एक गंभीर संकेत इसलिए भी है क्योंकि ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ नई ग्लेशियल झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इन झीलों को रोकने वाले प्राकृतिक बांध यदि बर्फ, चट्टान, मलबे, भूस्खलन या जल-दबाव से टूटते हैं तो कुछ ही समय में नीचे की घाटियों में विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। भारत के लिए यह चेतावनी बिल्कुल प्रासंगिक है। सिक्किम में हालिया आकलन में 40 उच्च-जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है, जिनमें 16 को सर्वाधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियां अब रिमोट सेंसिंग, फील्ड स्टडी, जल-स्तर एवं डिस्चार्ज मॉनिटरिंग और अर्ली-वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही हैं। हिमाचल प्रदेश की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आईआईटी मंडी के अध्ययन में 2025 में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर 2,076 ग्लेशियल झीलें दर्ज की गईं, जो 2015 की तुलना में 710 अधिक हैं। इसी अवधि में इन झीलों का सामूहिक क्षेत्रफल 28.45 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा बताता है कि हिमालयी जल-भूगोल कितनी तेजी से बदल रहा है। समस्या केवल ग्लेशियरों के पिघलने तक सीमित नहीं है। हिमालय में तापमान बढ़ने से बर्फ और पर्माफ्रॉस्ट कमजोर हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सड़क, सुरंग, बांध, जलविद्युत परियोजनाओं, पर्यटन सुविधाओं और अनियंत्रित निर्माण का दबाव पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना पर बढ़ रहा है। पहाड़ मैदान नहीं हैं कि उन्हें काटकर, खोदकर और भारी निर्माण करके उनकी प्रकृति के अनुरूप ढाला जा सके। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय सीमाएं, जलधारण क्षमता, ढलान और पारिस्थितिक संतुलन होता है। इन सीमाओं की अनदेखी अंततः भूस्खलन, मलबा-बाढ़ और ढांचागत तबाही के रूप में सामने आ सकती है। इस संदर्भ में विकास-विरोधी दृष्टिकोण अपनाना समाधान नहीं है, लेकिन विकास की परिभाषा और उसकी पद्धति पर पुनर्विचार करना अनिवार्य है। सड़क और बिजली चाहिए, पर्यटन भी चाहिए, रोजगार भी चाहिए, मगर यह सब हिमालय की वहन-क्षमता के अनुरूप होना चाहिए। भारत के लिए अब सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता एक समेकित हिमालयी निगरानी और पूर्व चेतावनी तंत्र विकसित करने की है। केवल किसी एक राज्य की सीमा में खतरे को देखने से काम नहीं चलेगा। ग्लेशियर सिक्किम में हो सकता है, झील उत्तराखंड में और उसका संभावित बाढ़-मार्ग किसी दूसरे जिले या राज्य तक पहुंच सकता है। इसलिए उपग्रह, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, स्वचालित जल-स्तर सेंसर, मौसम केंद्र और जमीनी निगरानी को एक साझा डिजिटल नेटवर्क से जोड़ना होगा। खतरे की सूचना केवल जिला मुख्यालय तक न रहे, बल्कि गांव, स्कूल, अस्पताल, सेना-चौकी, पर्यटन केंद्र, जलविद्युत परियोजना और नदी किनारे की बस्तियों तक वास्तविक समय में पहुंचनी चाहिए। इसके साथ ही केवल चेतावनी देना पर्याप्त नहीं है। चेतावनी के बाद क्या करना है, इसकी तैयारी भी उतनी ही जरूरी है। प्रत्येक संवेदनशील घाटी के लिए स्पष्ट निकासी मार्ग, सुरक्षित स्थान, वैकल्पिक सड़कें और संचार व्यवस्था तय हो। स्थानीय लोगों, पर्यटकों और परियोजना कर्मियों को नियमित मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाए। आपदा के समय पहले पांच-दस मिनट कई बार पूरे बचाव अभियान की दिशा तय कर सकते हैं। जलवायु परिवर्तन का एक और गंभीर पहलू है-आज का संकट केवल बाढ़ का नहीं, कल के जल-संकट का भी हो सकता है। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से शुरुआती वर्षों में नदियों में पानी बढ़ सकता है, लेकिन जब ग्लेशियरों का भंडार लगातार घटता जाएगा तो गर्मियों में स्थायी जलप्रवाह प्रभावित हो सकता है। हिमालयी नदियों पर निर्भर कृषि, पेयजल, ऊर्जा और करोड़ों लोगों की आजीविका के लिए यह दीर्घकालीन चुनौती है। हालिया आकलनों में हिमालय पर निर्भर आर्थिक गतिविधियों को भारत की अर्थव्यवस्था के पांचवें हिस्से से अधिक से जोड़ा गया है, हालांकि यह आंकड़ा संभावित आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि हिमालयी जल-तंत्र पर आर्थिक निर्भरता को दर्शाता है। ब्लैक कार्बन और प्रदूषण भी चिंता का विषय हैं। हालिया रिपोर्टों में हिमालयी ग्लेशियरों के द्रव्यमान-हानि की गति में तेज वृद्धि और ब्लैक कार्बन की भूमिका की ओर ध्यान दिलाया गया है। इसलिए हिमालय की सुरक्षा को केवल वन विभाग या आपदा प्रबंधन विभाग का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। ऊर्जा, सड़क, पर्यटन, उद्योग, जलविद्युत, शहरी विकास और पर्यावरण-सभी विभागों की नीतियों में हिमालयी जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हिमालय की समस्या सीमाओं से बड़ी है। भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान के हिमालयी एवं हिंदूकुश क्षेत्रों में जलवायु, ग्लेशियर, नदियां और पर्वतीय पारिस्थितिकी एक-दूसरे से जुड़ी हैं। इसलिए साझा वैज्ञानिक डाटाबेस, उपग्रह सूचनाओं का आदान-प्रदान, ग्लेशियल झीलों की संयुक्त निगरानी और सीमा-पार अर्ली-वॉर्निंग व्यवस्था विकसित करना समय की आवश्यकता है। किसी ऊंची घाटी में होने वाली घटना का असर नीचे की पूरी नदी प्रणाली पर पड़ सकता है। नेपाल की त्रासदी को केवल एक देश की प्राकृतिक आपदा मानकर भूल जाना सबसे बड़ी भूल होगी। उसने हमें बताया है कि जलवायु परिवर्तन और भूगर्भीय अस्थिरता मिलकर ऐसी आपदाओं को जन्म दे सकती हैं जिनके सामने पारंपरिक आपदा-प्रबंधन की क्षमता भी सीमित पड़ सकती है। वैज्ञानिकों ने

एआई वीडियो-पोस्टरों से गरमायी यूपी की सियासत

संजय सक्सेना
****

2027 के विधानसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश की सियासत सोशल मीडिया पर एक नई शक्ल में उतर आई है। समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच अब पारंपरिक भाषण-बाज़ी से आगे बढ़कर एआई-निर्मित वीडियो और पोस्टरों की जंग छिड़ गई है, जिसे कई हलकों में एआई वॉर कहा जा रहा है। हालिया मामले की बात की जाए तो वह ताज़ा पोस्टर है, जिसमें अखिलेश को आजम-अतीक और मुख्तार के साथ दिखाया गया है। पोस्टर के मुख्य नारे हैं- 'आजम, अतीक और मुख्तार, यही चलाते थे सरकार।' दूसरा नारा है- 'अखिलेश के माफिया, माफिया के अखिलेश।' कुछ पोस्टरों में वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया के नारे के साथ अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े कई नाम दिखाए गए हैं। जैसे अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, आजम खान, याकूब कुरैशी, अनिल दुजाना और अवध क्षेत्र के पोस्टर में गुलशन यादव, मित्रसेन यादव और रिजवान जहीर जैसे नाम भी शामिल हैं। इसकी शुरुआत तब हुई, जब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जुड़ा एक एआई वीडियो जारी किया। पार्टी के अनुसार, यह वीडियो एक जवाबी कार्रवाई थी। अखिलेश यादव का कहना था कि यह वीडियो समाजवादी पार्टी का बनाया हुआ नहीं था, बल्कि किसी व्यक्ति ने उन्हें भेजा था, और यह भाजपा समर्थक हैंडलों से पहले शेयर किए गए एक वीडियो के जवाब में सामने आया। भाजपा की ओर से इस पर तीखी प्रतिक्रिया आई। पार्टी के व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विनीत शारदा ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री का ऐसा वीडियो बनाना बेहद आपत्तिजनक है और इसे सपा की राजनीति के स्तर को उजागर करने वाला बताया। भाजपा नेताओं ने अखिलेश यादव से सार्वजनिक माफी मांगने और वीडियो को तुरंत हटाने की मांग रखी। वहीं, भाजपा महासचिव सुब्रत पाठक ने कहा कि योगी आदित्यनाथ सिर्फ मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि संत भी हैं, और इस एआई वीडियो से सपा की सोच उजागर हुई है। इसके जवाब में सपा पीछे नहीं हटी। भाजपा की प्रतिक्रिया



के बाद समाजवादी पार्टी ने एक और वीडियो पोस्ट किया, जिसमें योगी आदित्यनाथ को एआई के जरिए दिखाते हुए लिखा गया कि उत्तर प्रदेश धुएं से घुट रहा है। अखिलेश यादव ने साफ कर दिया कि पार्टी इस मोर्चे पर पीछे नहीं रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं को बदनाम करने के लिए एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है और कहा कि अगर सरकार एआई के जरिए समाजवादी पार्टी को घेरने की कोशिश करेगी तो पार्टी भी पीछे नहीं रहेगी। दूसरी ओर, भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी, भाजपा की छवि खराब करने के लिए रोज नया नैरेटिव तैयार करती है। परिणाम यह हुआ कि यह जंग जल्द ही डिजिटल दायरे से निकलकर सड़क पर पोस्टरों तक पहुंच गई। वाराणसी में भाजपा नेता सुधीर सिंह ने अखिलेश यादव पर पलटवार करते हुए एक पोस्टर जारी किया, जिसमें हार्पिक की बोतल पर उनकी तस्वीर लगाकर उन्हें हार्पिक का ब्रांड एंबेसडर बताया गया। दोनों दलों के कार्यकर्ता अब इस तरह की रचनात्मक (और आपत्तिजनक भी मानी जा रही) सामग्री बनाकर इस जंग को आगे बढ़ाने में जुटे हैं। इस पूरे विवाद के बीच अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ को लेकर एक और व्यंग्यात्मक टिप्पणी की, जिसके बाद भाजपा ने और तीखी प्रतिक्रिया दी। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री को गरिमा का ध्यान रखना चाहिए। इस पर अखिलेश यादव ने जवाब दिया कि अगर भाजपा एआई के जरिए उनके खिलाफ गाने और वीडियो बनाएगी तो समाजवादी पार्टी भी गानों से जवाब देगी। सोशल मीडिया पर जंग के साथ-साथ आरक्षण का मुद्दा भी इस चुनावी बहस के केंद्र में है। जब राज्य में आरक्षण सुधार को लेकर चर्चा शुरू हुई, तो उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की आरक्षण विरोधी छात्रों से मुलाकात के बाद यह मुद्दा सियासी बहस के केंद्र में आ गया। इस पर अखिलेश यादव ने भाजपा को सीधे निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि सुधार या समीक्षा जैसे शब्दों की आड़ में आरक्षण खत्म करने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जा सकता, और आरक्षण को पीडीए समाज का अधिकार बताया, जिसे किसी की इच्छा पर निर्भर नहीं किया जा सकता। सपा प्रमुख ने आगे कहा कि आरक्षण सुधार के नाम पर आरक्षण समाप्ति की कोशिश पीडीए समाज के खिलाफ एक गहरी साजिश है। हाल ही में एक कार्यकारिणी बैठक में उन्होंने कहा कि युवाओं में बेरोजगारी बढ़ी है, सरकारी नौकरियां नहीं हैं और आरक्षण के साथ खिलवाड़ किया गया है। डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं का मुद्दा भी हाल में जोर पकड़ चुका है। अखिलेश यादव ने दावा किया कि भाजपा शासन में 72 जिलों में 151 आंबेडकर प्रतिमाएं तोड़ी गईं और हर साल औसतन 15 से अधिक प्रतिमाएं तोड़ी गईं, जिनमें बलिया में सबसे अधिक मामले सामने आए। उन्होंने इसे जानबूझकर किया गया कृत्य बताते हुए कहा कि भाजपा संविधान बदलना चाहती थी, लेकिन ऐसा नहीं कर पाई, इसीलिए इस तरह की घटनाएं हुईं। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि दस साल के भाजपा शासन में सबसे ज्यादा आंबेडकर प्रतिमाएं तोड़ी गईं और अब वही जिम्मेदार लोग चुनाव से पहले बजट में मदद देकर गलत संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं, साथ ही दलितों, पिछड़ों और पीडीए वर्ग के साथ भेदभाव जारी रहने का आरोप भी दोहराया गया। दूसरी ओर, भाजपा और खासकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रणनीति सपा को हिंदू आस्था और सामाजिक सौहार्द के विरोधी के रूप में पेश करने पर केंद्रित रही है। मुख्यमंत्री ने कई सार्वजनिक सभाओं में सपा पर सीधा हमला बोला है। रुदौली में एक जनसभा में उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की आस्था भगवान राम के प्रति नहीं, बल्कि बाबर के प्रति है, क्योंकि उन्होंने अब तक राम मंदिर के दर्शन नहीं किए और अपने विधायकों को भी अयोध्या जाने से रोका।



मेषः- नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी-पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।

बृषभः- शासन-सत्ता के लोगों के साथ निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुनः- कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान-प्रतिष्ठा में बृद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के प्रति आपकी महत्ता बढ़ेगी।

कर्कः- कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।

सिंहः- कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः- नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में ब्यय की अपेक्षित है। सन्तत्ति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।

तुलाः- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिकः- कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में ब्यस्तता बढ़ेगी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस-पास वातावरण में प्रसन्नता बिखेरेंगे।

धनुः- सम्बन्धों में ब्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।

मकरः- बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।

कुंभः- अन्तमरुखी स्वभाव को त्याग बहिरमुखी बनें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति के आसार हैं। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन चिन्तित होगा। कार्य क्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी।

मीनः- पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे।समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन परेशान होगा।

राहुल मेहनत कर रहे हैं और कांग्रेसी उस पर पानी फेर रहे

शकील अख्तर
****

कांग्रेसी चाहते हैं राहुल चक्रव्यूह तोड़ दें। राहुल तोड़ सकते हैं। मगर राहुल उसे तोड़कर बाहर निकलना भी चाहते हैं। कांग्रेसियों को इसमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं है कि राहुल चक्रव्यूह तोड़कर बाहर आएं। उन्हें केवल राहुल से चक्रव्यूह तुड़वाना है। क्योंकि उनमें से न तो कोई तोड़ सकता है न तोड़ना चाहता है। राहुल को आप चाहे जितना अव्यवहारिक या आदर्शवादी कहें मगर इतना वह जानते हैं कि आज के समय केवल चक्रव्यूह तोड़ना ही महत्वपूर्ण नहीं है। तोड़कर बाहर निकलना भी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने के बाद राहुल ने यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि जो कौरवों ने अभिमन्यु के साथ किया था वही अब मोदी सरकार कर रही है। महाभारत में कौरव कामयाब हुए थे। अभिमन्यु को घेर कर मार लिया था। लेकिन अब अभिमन्यु मरेगा नहीं। चक्रव्यूह बेधेगा और बाहर भी आएगा। राहुल ने यह बिल्कुल नया कान्सेप्ट दिया है। इससे पहले चक्रव्यूह बेधने की ही बात होती थी। मगर राहुल ने आज के समय के अनुसार उससे सुरक्षित बाहर निकलने की जो बात कही है वह एक आशावादी राजनीति का मैसेज है। और 12 साल से निराश एवं हताश जनता को इससे एक उम्मीद बंधती है। राहुल जनता में ही हौसला पैदा करके और खास तौर से छात्र एवं युवाओं को जगाकर ही इस चक्रव्यूह को तोड़ने और इससे बाहर निकलने की बात करते हैं। राहुल के छात्रों के गूंज कार्यक्रम की अब चौतरफा चर्चा है। छात्रों से कोई पंगा नहीं ले सकता। इसलिए न चाहते हुए भी गोदी मीडिया को छात्रों की आवाज दिखाना पड़ रही है। गोदी मीडिया देख चुका है कि छात्रों की बात न सुनने का खामियाजा मोदी सरकार को किस तरह उठाना पड़ा है। उसके शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। और प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह संसद के दोनों सदनों में से किसी एक में भी नहीं आ पाए। लेकिन कांग्रेस के ही कुछ नेताओं की गलतियों के कारण कई बार बेवजह बाजी पलट जाती है। जिस दिन राहुल का अब तक का सबसे सफल गूंज कार्यक्रम इन्दौर में हो रहा था उसी दिन दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के चुनावों का नतीजा निकल रहा था। दिल्ली में इस बार जो माहौल था भाजपा उससे बहुत डरी हुई थी। हर चीज उसके खिलाफ जा रही थी। और ऐसे में दिल्ली यूनिवर्सिटी के चुनाव से एक हफ्ते पहले सत्य निकेतन की बिल्डिंग गिर जाने जिसमें दिल्ली यूनिवर्सिटी के ही पढ़ने वाले कई छात्र दबकर मर जाने की घटना ने उसे पूरी तरह निराश कर दिया था। लेकिन अगर बल्लेबाज



ही हिट विकेट हो जाएं तो कितने ही निराश बालर और टीम हो जीत जाती है। दिल्ली का हर चुनाव पूरे देश को संदेश देता है। चाहे लोकसभा हो या दिल्ली विश्वविद्यालय का चुनाव। यहां केवल छात्र संघ का चुनाव ही नहीं दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ डूटा भी राजनीति की नब्ज बताता है। अभी छात्र संघ डूसू चुनाव के चार दिन पहले ही दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे प्रभावी शिक्षक नेता माने जाने वाले और तीन बार डूटा के अध्यक्ष रहने वाले आदित्य नारायण मिश्रा ने बड़ी तादाद में युनिवर्सिटी के शिक्षकों के साथ कांग्रेस मुख्यालय आकर कांग्रेस ज्वाइन की। इसका डूसू चुनाव पर स्वाभाविक असर पड़ना था। उससे पहले दिल्ली के जंतर मंतर पर ही छात्रों का बड़ा धरना और फिर संसद मार

मनचलों ने बाइक को मारी टक्कर छात्रा गंभीर रूप से घायल

जिंदगी-मौत से जूझ रही छात्रा

लोक हस्तक्षेप समाचार

बलिया। बलिया के बांसडीह कोतवाली क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। कॉलेज जाने वाली एक छात्रा को कई दिनों से परेशान कर रहे युवकों ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई और अब जिंदगी-मौत से जूझ रही है।

जयनगर पर्वतपुर की रहने वाली यह छात्रा 13 सितंबर को रोज की तरह अपनी बाइक से पर्वतपुर से बांसडीह जा रही थी। परिजनों का आरोप है कि पिछले 7-8 दिनों से गोड़धप्पा के कुछ युवक उसका पीछा कर छेड़खानी कर रहे थे। जब छात्रा ने इसे नजरअंदाज किया, तो इन युवकों के हौसले बढ़ गए।13 सितंबर को जोगी तिवारी के डेरा के पास सुनसान रास्ते पर इन युवकों ने जानबूझकर छात्रा की बाइक को ओवरटेक करने की कोशिश की। इस दौरान उन्होंने तेज रफ्तार और लापरवाही से छात्रा की बाइक में टक्कर मार दी।जोरदार टक्कर से छात्रा बाइक समेत सड़क पर गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद परिजन तुरंत घायल छात्रा को वाराणसी के शिवम हॉस्पिटल ले गए। वहां उसका ऑपरेशन हुआ है, लेकिन उसकी हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है।

परिजनों ने सवाल उठाया है कि जब कई दिनों से छात्रा का पीछा किया जा रहा था, तब स्थानीय पुलिस ने ध्यान क्यों नहीं दिया। जब परिवार के लोग थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई, तब जाकर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। बांसडीह पुलिस ने आरोपी बाइक सवार हितेश पटेल (संतोष पटेल का बेटा, निवासी गोड़धप्पा) और बाइक मालिक राजू पटेल के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

इस घटना ने क्षेत्र में महिला सुरक्षा और पुलिस गश्त पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

लखीमपुर खीरी में स्कूल में शिक्षिका की हत्या, आरोपी ने खुद को भी मारी गोली मौत

एजेंसी

लखीमपुर खीरी। शहर कोतवाली के सिविल लाइन के निकट शाहपुरा कोठी स्थित चिल्ड्रेंस एकेडमी में दिनदहाड़े एक युवक ने शिक्षिका को गोली मार दी। इसके बाद खुद को भी गोली मार ली। इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। एक के बाद एक चार गोली चलने की आवाज सुनकर स्कूली बच्चों और स्टाफ में दहशत फैल गई।

सोमवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे शहर के मोहल्ला नौरंगाबाद निवासी मोहम्मद सऊद अंसारी (28 वर्ष) स्कूल की शिक्षिका निसात फातिमा (26 वर्ष) से मिलने की बात कहकर स्कूल परिसर में दाखिल हुआ। बताया जा रहा है कि दोनों ने कुछ देर परिसर में ही बातचीत की। इसके बाद दोनों पहली मंजिल पर सीनियर केजी बी के बाहर कॉरिडोर में पहुंचे। यहां पर बातचीत के दौरान ही अचानक सऊद ने शिक्षिका निसात फातिमा पर 315 बोर के तमंचे से फायर झोंक दी। गोली लगने से फातिमा बचाव में भागी तो युवक ने दोबारा फायर किया। यह गोली फातिमा के जा लगी। इसके साथ ही उनसे खुद की कनपटी पर भी गोली मार कर आत्महत्या कर ली। सऊद ने कुल चार फायर किए। स्कूल का स्टाफ जब तक कुछ समझ पाता इससे पहले ही दोनों की मौत हो गई। गोलीकांड के बाद विद्यालय परिसर में अफरा तफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते डीएम अंजनी कुमार सिंह, एसपी डॉ. ख्याति गर्ग, सहायक पुलिस अधीक्षक विवेक कुमार तिवारी, अपर पुलिस अधीक्षक पवन गौतम, शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह सहित भारी पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। डीएम-एसपी ने मृतकों के परिजनों से घटना के संबंध में बातचीत कर जानकारी हासिल की। इधर पुलिस को मौके से दो तमंचे, चार खोखा कारतूस के साथ ही एक जिंदा कारतूस बरामद हुई है।

एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने बताया कि दोनों परिवार एक दूसरे से परिचित थे। इसके चलते युवक और शिक्षिका बातचीत करते थे। इधर कुछ दिनों से लड़की बात नहीं कर रही थी। माना जा रहा है कि इसी बात से नाराज युवक ने लड़की को गोली मारते हुए खुद भी आत्महत्या कर ली। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

बाइक से जा रहे किसानों पर झपटा बाघ, किया घायल

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखीमपुर खीरी। मोहम्मदी (महेशपुर) रेंज के महेशपुर बीट के गांव अशर्फीगंज मे दो बाइक सवार किसानों पर बाघ ने उस समय हमला करके घायल कर दिया, जब वह धान के खेतो पर जा रहे थे। हमला होते ही दोनों ने शोर मचाना शुरू किया। शोर सुनकर गांव वाले दौड़ पड़े। तब जाकर बाघ गन्ने के खेतो की ओर चला गया। मौके पर डीएफओ सहित वन टीम पहुंच गई। वन टीम ने बाघ के हमले की पुष्टि की है। यह घटना रविवार की देर रात की है। मोहम्मदी (महेशपुर) रेंज के महेशपुर बीट और थाना हैदराबाद के गांव अशर्फीगंज निवासी धनीराम (65) पुत्र बुद्धा और ?त्रिवेणी सहाय (40) पुत्र हीरालाल बाइक पर सवार होकर अपने खेतों की तरफ जा रहे थे कि जैसे ही इनकी बाइक गांव के बाहर आम के बाग के पास पहुंची ही थी कि बाघ सड़क पर आ गया और बाइक सवार किसानो पर हमला कर दिया।

बाघ देखते ही दोनों ने हिम्मत नहीं हारी और जोर जोर से शोर मचाना शुरू किया। शोर सुनकर गांव के लोग दौड़ पड़े। तब जाकर बाघ गन्ने के खेतों की तरफ चला गया। घटना की सूचना वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही रेंजर निर्भय प्रताप शाही, वन दरोगा रोहित कुमार, पंकज कुमार, मित्रपाल सिंह, माया प्रकाश, प्रज्जवल श्रीवास्तव सहित वनटीम पहुंच गई। वन टीम और गांव वालो की मदद से घायलों को सीएचसी गोला भेजा गया। जहां उपचार के बाद घर भेज दिया गया। मौके पर डीएफओ तापस मिहिर पहुंच गये। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि वन टीम लगातार काबिंग कर रही है। उन्होंने वन टीम को गांव में जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिये। गौर तलब है कि तीन पहले ही बाघ ने दिन दहाड़े पड़ोसी गांव उदयपुर निवासी दिनेश कुमार की दो बकरियो को निवाला बना डाला था। फिलहाल महेशपुर इलाके मे दहशत का माहौल है। लोग गांव के गलियारो को छोड़ दीजिये पक्की सड़को पर भी चलने से डर रहे है।

सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत बालिका विद्यालय मे कार्यकम आयोजित किया गया

लोक हस्तक्षेप समाचार



इटावा/महेवा। स्थानीय कस्बा महेवा स्थित श्रीसुखदेवी बालिका माध्यमिक विद्यालय एवं लोक मान्यरूरल इंटर कालेज महेवा सेवा संकल्प अभियान 2026 केअंतर्गत कार्यक्रम क़ा आयोजन किया गया ।कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे भाजपा की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की जिला संयोजक मीनाक्षी चौहान एडवोकेट मौजूद रही कार्यक्रम को सबोधित करते हुए मुख्य अथिति मीनाक्षी चौहान ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे केंद्र सरकार विकसित भारत के निर्माण की दिशा मे निरंतर कार्य कर रही हे, विक्षित भारत के संकल्प को साकार करने मे शिक्षा, महिला ससक्तिकरण और बालिकाओं की भागीदारी महत्व पूर्ण हे उन्होंने बालिकाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक रहने, आत्मनिर्भर बनने और राष्ट्र निर्माण मे योगदान देने को प्रेरित किया, उन्होंने कहा की सरकार द्वारा बेटियों की सुरक्षा और सम्मान को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाए संचालित की जा रही हे वलिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर आगे बढ़ना चाहिए कार्यक्रम मे भाजपा नेता जीतू चौहान, विद्यालय की प्रधानाचार्य अमिता यादव, स्नेह लता, दिव्या पोरवाल, रीमा, संध्या कुमारी, रेनू कुमारी, नेहा, एवं शिवबीर सिंह शिया विद्यालय की बालिकाएं मौजूद रही, कार्यक्रम के दौरान सेवा, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता से जुड़े बिषयो पर चर्चा की गई वहीं लोकमान्य रूरल इंटर कालेज महेवा में प्रधानाचार्य डॉ शिवशंकर त्रिपाठी की देखरेख में कार्यक्रम आयोजित हुआ तथा अतिथि के रूप में पार्टी की ओर से भाजपा नेता जीतू चौहान भी मौजूद रहे।

सरहद पार गूंजा 'सेवा परमो धर्मः' मंत्र, भारतीय मिशनों ने मनाया 'सेवा पखवाड़ा'

नई दिल्ली। विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों और उच्चायोगों द्वारा 'सेवा पखवाड़ा' के तहत बड़े पैमाने पर विभिन्न रचनात्मक और सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। हाल के दिनों में दुनिया के विभिन्न हिस्सों में स्थित भारतीय मिशनों ने इस अभियान को वैश्विक मंच पर ले जाते हुए पौधरोपण, खेल और सांस्कृतिक संध्या जैसे कार्यक्रमों के जरिए प्रवासी भारतीयों तथा स्थानीय समुदायों को एक सूत्र में पिरोने का काम किया है।



सेवा पखवाड़े के अंतर्गत चीन, तंजानिया सहित विभिन्न देशों में भारतीय दूतावासों ने पर्यावरण संरक्षण और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए व्यापक पौधरोपण अभियान चलाए। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेते हुए राजनयिकों, भारतीय प्रवासियों और स्थानीय नागरिकों ने मिलकर दूतावास परिसरों और सार्वजनिक पार्कों में पौधे लगाए। इस पहल का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर पर्यावरण के प्रति चेतना जगाना और हरित भविष्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करना है।

शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने 'एक्स' पर लिखा शंघाई में चल रहे 'सेवा पखवाड़ा' कार्यक्रमों के तहत, महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर को शंघाई यूनाइटेड फैमिली हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ शामिल होकर खुशी हुई। हम 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं और अपनी संस्कृति के प्रति बढ़ती जागरूकता का स्वागत करते हैं।स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने और साल 2047 तक भारत को एक आत्मनिर्भर व विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को दोहराने के लिए स्विट्ज़रलैंड, बहरीन और अन्य कई देशों में 'विकसित भारत रन' (दौड़ प्रतियोगिता) का आयोजन हुआ। स्विट्ज़रलैंड स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा ज्यूरिख़ में फ़िटनेस, समुदाय और 'विकसित भारत' की भावना का संगम देखने को मिला, जब स्विट्ज़रलैंड में भारतीय दूतावास ने 'सेवा पखवाड़ा' के तहत 'विकसित भारत रन' का आयोजन किया।

इसके अलावा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए भारतीय मिशनों द्वारा 'इवनिंग ऑफ आर्टिस्ट' (कलाकारों की शाम) का विशेष आयोजन किया गया। इस सांस्कृतिक संध्या में भारतीय और स्थानीय कलाकारों ने शास्त्रीय संगीत, लोक नृत्य और कला प्रदर्शनियों के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन किया।

हांगकांग स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पर लिखा हांगकांग में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने 'सेवा पखवाड़ा' के तहत 'कला सेवा' कार्यक्रम के अंतर्गत 'इंडियन आर्ट्स सर्कल' के सहयोग से 'कलाकारों की शाम' का सफल आयोजन किया। यह शानदार संगीत, नृत्य और मिमिक्री (नकल) के कार्यक्रमों से सजी एक यादगार शाम रही। इन बहुआयामी आयोजनों के माध्यम से भारतीय दूतावासों ने 'सेवा परमो धर्मः' के मूल्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीवंत किया है, जिससे वैश्विक मंच पर भारत की एक सकारात्मक और संवेदनशील छवि और मजबूत हुई है।

(रिपोर्ट. शाश्वत तिवारी)

उन्नाव में परचून दुकानदार से लूट के दो और आरोपी गिरफ्तार, 5350 रुपये बरामद

लोक हस्तक्षेप समाचार

उन्नाव। बेहटामुजावर थाना क्षेत्र में परचून दुकानदार से हुई लूट के मामले में पुलिस ने दो और वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने लूटे गए 5350 रुपये बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

पुलिस के मुताबिक, 6 सितंबर 2026 की रात ग्राम सलेमपुर मजरा रसूलपुर रैली निवासी जयप्रकाश अपनी परचून की दुकान बंद करने के बाद अपने पिता हरिवंश के साथ मोटरसाइकिल से घर जा रहे थे। उनके पास दुकान के करीब 20 से 25 हजार रुपये थे। आरोप है कि सीतारामखेड़ा मोड़ के पास पांच लोगों ने उन्हें घेर लिया और लूट की घटना को अंजाम दिया।

घटना के संबंध में 7 सितंबर को थाना बेहटामुजावर में मुकदमा अपराध संख्या 171/2026 के तहत धारा 61(2), 309(4) और 317(2) बीएनएस में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने उसी दिन मामले में दो आरोपियों सुशील और राजमणि को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।



इसी क्रम में सोमवार, 21 सितंबर 2026 को प्रभारी निरीक्षक राजकुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए लूट के मामले में वांछित चल रहे दो अन्य आरोपियों को बांगरमऊ-संडीला अंडरपास के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुधीर पुत्र गंगाराम, निवासी गुलहडा, थाना मल्लावां, जनपद हरदोई, उम्र करीब 34 वर्ष तथा विष्णु पुत्र कैलाश रावत, निवासी मोहल्ला इन्द्रानगर (शक्ति नगर), शुक्लागंज, थाना गंगाघाट, जनपद उन्नाव, उम्र करीब 27 वर्ष के रूप में हुई है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से लूट की घटना से संबंधित 5350 रुपये बरामद किए हैं। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम

प्रभारी निरीक्षक राजकुमार, उपनिरीक्षक नरेन्द्र प्रताप, हेड कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार, कांस्टेबल रंजन कुमार, कांस्टेबल सौरभ झा तथा कांस्टेबल आशीष वर्मा शामिल रहे।

डीडीयू नगर में लगा भीषण जाम, जंक्शन से सब्जी मंडी तक रेंगती नजर आई गाड़ियां

संवाददाता



पीडीडीयू नगर चंदौली। पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर (डीडीयू नगर) में सोमवार को अवकाश होने के बावजूद राहगीरों को भीषण जाम की समस्या से जूझना पड़ा। शहर के सबसे व्यस्ततम इलाके डीडीयू नगर जंक्शन के मुख्य मार्ग से लेकर सब्जी मंडी तक गाड़ियों के पहिए पूरी तरह थम गए। जिन सड़कों पर अमूमन गाड़ियां फर्राटा भरती थीं, वहां सोमवार को गाड़ियां रेंगती हुई दिखाई दीं, जिससे राहगीरों, यात्रियों और दुकानदारों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। एसपी के सख्त निर्देशों के बाद भी जंक्शन और सब्जी मंडी मार्ग बेहाल रही। डीडीयू नगर को इस रेंगते ट्रैफिक से मुक्ति दिलाने के लिए जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने खुद कमर कस रखी है। उन्होंने व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास करते हुए इस गंभीर समस्या के निदान की कोशिश की थी और संबंधित अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने व यातायात दुरुस्त करने के कड़े दिशा-निर्देश दिए थे। इसके बावजूद जंक्शन मुख्य मार्ग और सब्जी मंडी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सोमवार को लगा यह जाम प्रशासनिक दावों की पोल खोलता नजर आया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, जंक्शन और सब्जी मंडी मार्ग पर अत्यधिक अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग ही इस भयंकर जाम की मुख्य वजह है।

अचलगंज के लोहचा में सड़क पर हुए भीषण गड्ढे, राहगीरों की बढ़ी मुश्किलें

लोक हस्तक्षेप समाचार

अचलगंज। क्षेत्र के लोहचा में सड़क की हालत इन दिनों बेहद खराब हो गई है। सड़क पर लगातार भारी वाहनों के आवागमन के चलते जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। गड्ढों के कारण राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क की बदहाल स्थिति के चलते कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क पर भारी वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। वाहनों के दबाव और सड़क की जर्जर हालत के कारण कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं। बारिश होने पर इन गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क और भी खतरनाक हो जाती है। पानी भरे होने के कारण वाहन चालकों को गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है।

राजस्थान के कांग्रेस पार्षदों को हरियाणा पुलिस के रोके जाने पर हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कड़ा विरोध जताया

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। राजस्थान में हाल में हुए निकाय चुनावों में पार्षदों के निर्वाचन के बाद निकाय प्रमुख चुनने की रणनीति के तहत हिमाचल ले जाए गए कांग्रेस पार्षदों को हरियाणा पुलिस द्वारा पिंजर मे रोका गया।हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने इस कार्रवाई पर कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि चुनाव से ठीक पहले निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को रोकना बेहद गंभीर मामला है और इससे पुलिस प्रशासन की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने मांग की कि प्रशासन तत्काल स्पष्ट करे कि पार्षदों को किस कानूनी प्रावधान के तहत रोका गया और उन्हें थाने में रखने का आधार क्या है।

राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस को मिली जानकारी के अनुसार राजस्थान के कुछ निर्वाचित पार्षद हिमाचल प्रदेश से राजस्थान लौट रहे थे। आरोप है कि पिंजौर थाना क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों एवं अन्य लोगों ने उनके वाहनों का पीछा किया और उन्हें रोककर थाने में बैठा दिया। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के खिलाफ कोई आपराधिक या वैधानिक मामला है तो पुलिस कानून के अनुसार कार्रवाई करे, लेकिन चुनाव से ठीक पहले निर्वाचित पार्षदों को रोकना और उनकी आवाजाही पर प्रतिबंध लगाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने वाला गंभीर कदम है।राव नरेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार सत्ता के बल पर लोकतांत्रिक संस्थाओं और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई भाजपा के तानाशाहीपूर्ण और सत्ता के दुरुपयोग वाले रवैये की ओर इशारा करती है। लोकतंत्र में सरकारें पुलिस और प्रशासन का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव बनाने के लिए नहीं कर सकतीं।उन्होंने कहा कि चुनाव लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है और किसी भी निर्वाचित प्रतिनिधि को बिना भय, दबाव या हस्तक्षेप के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। यदि किसी पार्षद के खिलाफ कोई मामला है तो उसकी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए और कानून के तहत पारदर्शी कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन चुनाव के ठीक पहले पार्षदों को रोककर रखने की कार्रवाई का प्रशासन को स्पष्ट जवाब देना होगा।राव नरेंद्र सिंह ने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा यह स्पष्ट किया जाए कि पार्षदों को रोकने के आदेश किस स्तर से जारी हुए। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस कार्रवाई कानून सम्मत है तो प्रशासन उसके कानूनी आधार को सार्वजनिक करे और यदि किसी अधिकारी ने नियमों का उल्लंघन किया है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

पांडेयपुर ओवरब्रिज पर लगा अखिलेश यादव का विवादास्पद बैनर

सपा नेताओं ने विवादित बैनर को तुरंत मौके से हटाया।

एजेंसी



वाराणसी। पांडेयपुर चौराहे पर स्थित ओवरब्रिज पर सोमवार को एक राजनीतिक बैनर ने चर्चा का विषय बना दिया। इस बैनर पर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ-साथ चर्चित अपराधियों जैसे अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, रमाकांत यादव, उमाकांत यादव और मुन्ना बजरंगी की तस्वीरें प्रदर्शित की गई हैं। बैनर पर बड़े अक्षरों में लिखा गया है, 'माफियाराज और अखिलेश, लूट लिया था पूरा प्रदेश। 'पांडेयपुर चौराहे का ओवरब्रिज एक प्रमुख स्थान है, जहां दिनभर बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं। इस बैनर को देखकर राहगीरों और आसपास के लोगों के बीच विभिन्न प्रकार की चर्चाएं शुरू हो गईं। बैनर के माध्यम से अखिलेश यादव और उनके कार्यकाल को लेकर एक राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया गया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि बैनर किस व्यक्ति या संगठन द्वारा लगाया गया है। इसके पीछे के उद्देश्य और इसे लगाने वाले की पहचान अभी तक सामने नहीं आई है।वाराणसी में सार्वजनिक स्थानों पर राजनीतिक पोस्टर और बैनर लगाने का मामला पहले भी चर्चा में रहा है। पांडेयपुर ओवरब्रिज पर लगे इस बैनर ने एक बार फिर शहर में पोस्टरबाजी को लेकर बहस छेड़ दी है। इस बैनर की सूचना मिलने के बाद सपा नेताओं ने इसे हटा दिया है।

अखिलेश यादव के PDA रथ के रंग को लेकर मायावती ने सपा पर बोला हमला

बसपा प्रमुख ने सपा के मुस्लिम वोटों पर भरोसे पर लगाया प्रश्नचिह्न

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के समाजवादी पीडीए यात्रा रथ के रंग को लेकर बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने तीखा हमला बोला है। बसपा प्रमुख ने सोमवार को एक्स पर लिखा, विधान सभा चुनाव की तैयारी के लिए सपा प्रमुख का प्रचारित 'पीडीए रथ' उनके अपने लाल रंग का कम और आरएसएस-भाजपा के 'भगवा' रंग का (भगवाकरण) ज्यादा है।

ऐसे में लोगों में चर्चा है कि यह उनका वोटों के स्वार्थ की खातिर गिरगिट की तरह लगातार रंग बदलना है या फिर मुसलमानों पर से वोट पाने का भरोसा उठ जाना है? उन्होंने पीडीए की बदलती परिभाषाओं और नीला रंग अपनाने को राजनीतिक स्वार्थ करार दिया ।

बसपा प्रमुख ने अपनी पोस्ट में लिखा कि मुस्लिम समाज को इस हकीकत का पूरी तरह से अहसास है कि पिछले चुनावों में सपा को एकतरफा वोट देने के बावजूद भी यह पार्टी यूपी व केंद्र में भाजपा को सरकार बनाने से नहीं रोक पाती है तो इस पार्टी को बार-बार वोट देकर अपना मत खराब क्यों किया जाए।उन्होंने दावा किया कि अब मुस्लिम समाज, ब्राह्मण समाज की तरह ही अपना रवैया बसपा के पक्ष में तेजी से बदल रहा है।

रोटरी क्लब ऑफ उन्नाव संकल्प ने किया शिक्षकों का सम्मान

लोक हस्तक्षेप समाचार

उन्नाव,। विगत शाम को रोटरी क्लब उन्नाव संकल्प का प्रथम अधिष्ठापन एवं सम्मान समारोह सांय होटल विशाल रॉयल, आवास विकास कॉलोनी में संपन्न हुआ। समारोह में हाईकोर्ट लखनऊ के वरिष्ठ अधिवक्ता ओपी तिवारी ने अध्यक्ष तथा समाजसेविका निम्मी अरोड़ा ने सचिव का दायित्व ग्रहण कर सामाजिक सेवा, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने का संकल्प लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ डिस्ट्रिक्ट गवर्नर जसबीर सिंह भाटिया एवं पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डीसी शुक्ला द्वारा मां शारदे के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इसके पश्चात ओपी तिवारी, संजय राठी, प्रेम सिंह सेंगर, निम्मी अरोड़ा, डॉ. मनोज श्रीवास्तव एवं डॉ. प्रभात सिन्हा सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर जन गण मन के साथ समारोह का विधिवत शुभारंभ किया।स्वागत संबोधन में प्रेम सिंह सेंगर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए रोटरी क्लब उन्नाव संकल्प के गठन एवं उसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर जसबीर सिंह भाटिया ने रोटरी की कार्यप्रणाली और सेवा संकल्पों की जानकारी देते हुए कहा कि रोटरी जरूरतमंदों की सहायता के लिए सक्षम लोगों को एक मंच पर लाने वाला अंतरराष्ट्रीय सेवा संगठन है।

पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डीसी शुक्ला ने कहा कि रोटरी क्लब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गरीब, जरूरतमंद एवं दिव्यांगजनों के सहयोग के साथ-साथ जनजागरूकता और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी



निरंतर कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर जसबीर सिंह भाटिया एवं डीसी शुक्ला ने नव निर्वाचित अध्यक्ष ओपी तिवारी एवं सचिव निम्मी अरोड़ा को कॉलर पहनाकर पदभार ग्रहण कराया और शुभकामनाएं दीं।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में वरिष्ठ अधिवक्ता ओपी तिवारी ने कहा, आप कितने दिन जिंदा रहते हैं, यह उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना यह कि आप कैसे जिंदा रहते हैं। आपकी योग्यता से अधिक महत्वपूर्ण समाज को दिया गया आपका योगदान है। उन्होंने कहा कि पद की जिम्मेदारी ग्रहण करने के बाद क्लब समाज के हर वर्ग को साथ लेकर जरूरतमंद और वंचित लोगों को विभिन्न माध्यमों से लाभान्वित करने के लिए कार्य करेगा।

संजय राठी ने रोटरी क्लब उन्नाव संकल्प के गठन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे जनपद में सेवा गतिविधियों के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

शिक्षकों को मिला आदर्श शिक्षक सम्मान

अधिष्ठापन समारोह के साथ ही जनपद के विभिन्न विकासखंडों में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले शिक्षकों को आदर्श शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मानित शिक्षकों में असोहा के अमित श्रीवास्तव, मियागंज के डॉ. आशुतोष त्रिपाठी, पुरवा के आलोक अवस्थी, सरोसी के प्रवीण कुमार एवं अनुपम शुक्ला, सुमेरपुर के पंकज शुक्ला, असोहा के सहायता प्राप्त जूनियर विद्यालय के संजीव कुमार श्रीवास्तव, मियागंज के नितेश दीक्षित, फतेहपुर 84 के नवीन अवस्थी, औरास के दिव्यांश श्रीवास्तव, असोहा के अनुदेशक सचिन मिश्रा, सिकंदरपुर कर्ण के आशीष अवस्थी तथा लखनऊ पब्लिक स्कूल के सतीश सिंह शामिल रहे।

समारोह के अंतिम चरण में रोटरी क्लब उन्नाव संकल्प के नवगठित सदस्यों को डिस्ट्रिक्ट गवर्नर जसबीर सिंह भाटिया ने रोटरी पिन लगाकर एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर शुभकामनाएं दीं। सदस्यों में प्रमुख रूप से डॉ संजय मिश्रा, डॉ प्रभात सिन्हा डॉ विनय दीक्षित, अनिरुद्ध सौरभ, डॉ अंकित शुक्ला, राजीव सिंह उमा निवास बाजपाई, मुन्ना सिंह चौहान सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सदर विधायक पंकज गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानू, कांति मोहन गुप्ता, डॉ मनोज श्रीवास्तव, आनंद अवस्थी, राम तनेजा, राकेश सिंह, अमित मिश्रा, अनुराग अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

जनता पीजी कॉलेज पतला का नाम होगा चौधरी अजीत सिंह जनता पीजी कॉलेज

महापुरुषों के सम्मान और युवा पीढ़ी को उनके योगदान से जोड़ने की दिशा में कदम

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में महापुरुषों के सम्मान और उनके योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में योगी सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के क्रम में गाजियाबाद के जनता पीजी कॉलेज, पतला का नाम बदलकर 'चौधरी अजीत सिंह जनता पीजी कॉलेज' किए जाने का निर्णय लिया गया है। यह जीनकारी

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने दी।

उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा इस संबंध में विभाग को प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया था। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद के इस प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई है। जल्द ही शासन स्तर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया जाएगा।



हर समय परफेक्ट दिखने का दबाव

'मिर्जापुर' एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बताया कैसे करती हैं डील

'मिर्जापुर' फेम एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बताया कि वह हर समय परफेक्ट दिखने के लगातार दबाव से कैसे निपटती हैं। हर्षिता ने कहा कि यह पूरी तरह से व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह दबाव लेना चाहता है या अपनी असलियत में सहज रहना चाहता है। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में, दर्शक अलग-अलग तरह के शरीर और स्किन टाइप को स्वीकार करने लगे हैं, बशर्ते वे उस किरदार के अनुकूल हों जिसे वे निभा रहे हैं। हर्षिता ने कहा कि एक एटर के तौर पर अगर रोल की मांग हो तो उन्हें अपने लुक के साथ एसपेरिमेंट करने में कोई दिकत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह इंडस्ट्री में होने का एक मजेदार हिस्सा है।

'मिर्जापुर' फेम एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बताया कि वह हर समय परफेक्ट दिखने के लगातार दबाव से कैसे निपटती हैं। हर्षिता ने कहा कि यह पूरी तरह से व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह दबाव लेना चाहता है या अपनी असलियत में सहज रहना चाहता है। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में, दर्शक अलग-अलग तरह के शरीर और स्किन टाइप को स्वीकार करने लगे हैं, बशर्ते वे उस किरदार के अनुकूल हों जिसे वे निभा रहे हैं। हर्षिता ने कहा कि एक एक्टर के तौर पर अगर रोल की मांग हो तो उन्हें अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह इंडस्ट्री में होने का एक मजेदार हिस्सा है। उनसे पूछा गया, 'शोबिज में अच्छा दिखने और कैमरे के लिए तैयार रहने का दबाव बहुत ज्यादा होता है। आपके लिए लुक कितना मायने रखता है और आप अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में किस हद तक सहज हैं? ' हर्षिता ने बताया, 'मैं एक्सपेरिमेंट करने के लिए तैयार रहती हूं, खासकर अगर किरदार की मांग हो। यह मजेदार है। हम इसी फील्ड में इसलिए हैं क्योंकि हमें एक्सपेरिमेंट करने का मौका मिलता है। वरना, हम यहां नहीं होते। ' हमेशा कैमरे के लिए तैयार रहने के दबाव से निपटने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'दबाव तो होता है, लेकिन आप या तो उस दबाव को ले सकते हैं या नहीं। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह आप पर निर्भर करता है। ' हर्षिता ने कहा, 'एक दौर वह भी था जब न तो सोशल मीडिया का ऐसा दौर था और न ही लोग अपनी शारीरिक बनावट को लेकर इतने सचेत थे, लेकिन उस समय भी लोगों पर सामाजिक अपेक्षाओं का दबाव कम नहीं था। ' उन्होंने आगे कहा कि ऐसे कई शो हैं जिनमें जाने-माने एक्टर मेकअप भी नहीं करते, क्योंकि किरदार की यही मांग होती है। बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर का उदाहरण देते हुए हर्षिता ने कहा, 'करीना कपूर ने एक फिल्म की थी जिसमें उन्होंने मेकअप नहीं किया था। मुझे लगता है कि जब किरदार की मांग होती है, तो लोग खुद को वैसा ही दिखाने में ज्यादा सहज हो गए हैं जैसे वे असल में हैं। '



'जिज्ञासु थी प्रतिभा लाहिड़ी और पढ़ने की थी शौकीन'

प्रतीभा रांटा ने 'द रेवोल्यूशनरीज' में अपने किरदार को लेकर की बात



'द रेवोल्यूशनरीज़' में स्वतंत्रता सेनानी प्रतिभा लाहिड़ी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस प्रतिभा रांटा ने सीरीज में अपने किरदार के बारे में जानकारी दी है। अभिनेत्री ने मुंबई में शो के प्रमोशन के दौरान बातचीत की। इस दौरान उनके साथ निखिल आडवाणी, भुवन बाम, रोहित सराफ और गुरफतेह पीरजादा भी मौजूद थे। प्रतीभा रांटा ने बातचीत में कहा, 'हमें सार्वजनिक तौर पर प्रतिभा लाहिड़ी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिलती है और यही बात निखिल सर ने भी मुझसे कही थी, जब हम प्रतिभा लाहिड़ी के बारे में चर्चा किया करते थे। जब चंद्रशेखर आजाद अंग्रेजों से लड़ रहे थे, तब उनकी बंदूक में एक आखिरी गोली बची थी। उसी समय उन्होंने खुद को गोली मार ली, ताकि अंग्रेज उन्हें पकड़कर मुठभेड़ में न मार सकें। इसके बाद प्रतिभा लाहिड़ी ने उनके अस्थि-अवशेषों की राख युवा क्रांतिकारियों के माथे पर लगाई थी। अब आप ऐसे व्यक्ति के बारे में सोचिए, जो यह समझने में सक्षम हो कि यह एक युवा पीढ़ी है। उन्होंने आगे कहा, 'उन्हें यह बताना जरूरी था कि देश को आजादी दिलाने के लिए किस तरह का बलिदान दिया जा रहा है। यह सुनिश्चित करना कि उस संदेश को आगे पहुंचाया जाए। तो जब वह 17 साल की रही होंगी, तब वह कैसी रही होंगी? उस समय उन्हें किन सामाजिक मानदंडों से लड़ना पड़ता होगा? वह दुनिया को किस नजरिए से देखती होंगी? मेरे लिए प्रतिभा लाहिड़ी एक जिज्ञासु लड़की थीं। वह अपने आसपास हो रही हर चीज के बारे में जानना चाहती थीं। अभिनेत्री ने आगे बताया, 'वह पढ़ने की बहुत शौकीन थीं।

ओटीटी पर डेयू से पहले परिणीति को मिला परिवार का साथ, प्रियंका और राघव ने लुटाया प्यार



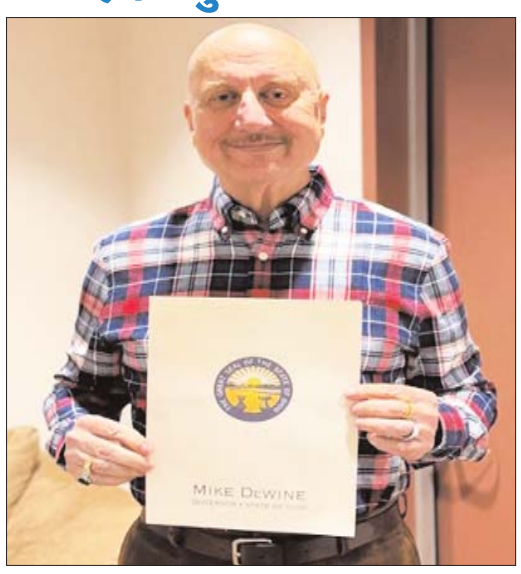
अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा अपनी आगामी वेब सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' से ओटीटी पर डेयू करने जा रही हैं। सोमवार को अभिनेत्री के सपोर्ट में उनकी बड़ी बहन-ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा और पति राघव च ा आए। दोनों ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए न सिर्फ अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को नई सीरीज के लिए बधाई दी बल्कि, सीरीज के लिए उत्सुकता भी जाहिर की।

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा अपनी आगामी वेब सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' से ओटीटी पर डेब्यू करने जा रही हैं। सोमवार को अभिनेत्री के सपोर्ट में उनकी बड़ी बहन-ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा और पति राघव चड्ढा आए। दोनों ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए न सिर्फ अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को नई सीरीज के लिए बधाई दी बल्कि, सीरीज के लिए उत्सुकता भी जाहिर की। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के पति- राजनेता राघव चड्ढा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसके जरिए उन्होंने शूटिंग के दौरान की कुछ दिलचस्प बातें भी बताई। राजनेता राघव चड्ढा ने लिखा, 'तुम पर बहुत गर्व है, परिणीति चोपड़ा। मुझे पता है, तुमने वेब सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' के लिए कितनी मेहनत की है, खासकर तब जब हमारे लिए ये समय पहले से ही बहुत खास था।' राघव चड्ढा ने सीरीज की पूरी टीम की सराहना करते हुए बताया कि शूटिंग में उन्होंने पर्दे के पीछे की टीम का टैलेंट देखने को मिला। उन्होंने लिखा, 'शिमला में शूट के दौरान कुछ वक्त बिताने के बाद, मैंने इसके पीछे की टीम की गर्मजोशी और टैलेंट को भी देखा। बहुत ही टैलेंटेड लोग हैं, और साफ दिख रहा था कि तुम्हें उनके साथ काम करने में बहुत मजा आया। राघव चड्ढा ने पोस्ट के आखिरी में न सिर्फ पूरी टीम को बधाई बल्कि, सीरीज के रिलीज के अपनी उत्सुकता भी जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'तुम्हें और 'शकः ट्रस्ट नो वन' की पूरी टीम को ढेर सारी शुभकामनाएं। मुझे लग रहा है ये शो लोगों को आखिर तक सोचने पर मजबूर कर देगा। 24 सितंबर को सभी के इसे देखने का बेसब्री से इंतजार है। वहीं, अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने भी छोटी बहन-अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को नई सीरीज के लिए बधाई दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वेब सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' के सीन का एक क्लिप शेयर करते हुए लिखा, 'बधाई हो परिणीति चोपड़ा। ' बता दें कि यह प्रोजेक्ट परिणीति चोपड़ा के लिए इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि मां बनने के बाद वह पहली बार स्क्रीन पर नजर आएंगी और शूटिंग के दौरान ही उन्हें अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में पता चला था। दिलचस्प बात यह है कि इस सीरीज में भी एक मां की जर्नी को दिखाया गया है। रेंसिल डी'सिल्वा के निर्देशन में बनी सीरीज में परिणीति चोपड़ा के अलावा इस सीरीज में जेनिफर विंगेट, ताहिर राज भसीन, सोनी राजदान, अनूप सोनी, हरलीन सेठी और सुमित व्यास जैसे बेहतरीन कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। 24 सितंबर से सीरीज को नेटफ्लिक्स पर प्रसारित किया जाएगा।



अनुपम खेर को ओहायो में मिला खास सम्मान

'घर से इतनी दूर सम्मानित होना बेहद भावुक करने वाला'



दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने हिंदी सिनेमा में चार दशक से ज्यादा का सफर तय किया है और इस दौरान पर्दे के साथ-साथ रंगमंच पर भी अपनी खास पहचान बनाई है। उनके इसी लंबे सफर को अब अमेरिका के ओहायो राज्य में खास सम्मान मिला है। अनुपम खेर को ओहायो की ओर से स्पेशल प्रोक्लेमेशन देकर सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उनके लंबे फिल्मी सफर के साथ-साथ उनके लाइव स्टेज परफॉर्मेंस 'जाने पहचाने अनजाने' के लिए भी दिया गया है। कोलंबस में हुए इस लाइव शो के दौरान मिले सम्मान की तस्वीर अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर शेयर की और इसे अपने लिए गर्व से भरा पल बताया। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर स्पेशल प्रोक्लेमेशन के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की। इसके साथ उन्होंने ओहायो के गवर्नर माइक डिवाइन और लेफ्टिनेंट गवर्नर जिम ट्रेसल का आभार जताया। उन्होंने लिखा, ' 'चार दशक से ज्यादा लंबे अपने फिल्मी सफर और 'जाने पहचाने अनजाने' के लाइव स्टेज परफॉर्मेंस के लिए इस तरह का सम्मान मिलना मेरे लिए बेहद खास है।



कुणाल खेमू की 'वाइब' में उर्फी जावेद का कैमियो, बोलीं-बिना सोचे हां कर दिया

अभिनेत्री उर्फी जावेद ने कुणाल खेमू की फिल्म 'वाइब' में कैमियो रोल में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे कई समय से कुणाल खेमू की फिल्म में काम करना चाह रही थीं और अब उनकी यह ख्वाहिश पूरी हो गई है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने दर्शकों से फिल्म देखने की न सिर्फ अपील कि बल्कि सभी दर्शकों को फिल्म से जुड़ी अपनी एक दिलचस्प कहानी भी बताई। उर्फी जावेद ने कहा, 'जब मैंने पहली बार फिल्म 'मड़गांव एक्सप्रेस' देखी थी, तो मेरे दिमाग में ख्याल आया था कि काश इसके सीक्वल में मुझे काम करने का मौका मिले, कुणाल खेमू कोई रोल दे दें, भले ही वो छोटा हो। फिल्म बहुत ही मजेदार थी। फिर कुछ समय बाद मुझे फिल्म 'वाइब' के लिए कॉल आता है कि कुणाल खेमू की फिल्म में कैमियो रोल करना है। अभिनेत्री ने बताया कि वे कुणाल खेमू के साथ काम करने के लिए इतने उतावली थी कि बिना कुछ जाने ही इस रोल के लिए हां कर दिया था। उन्होंने कहा, 'मुझे कुछ भी नहीं जानना है, क्या रोल है या फिर फिल्म की स्टोरी कैसी है मुझे बस यह फिल्म करनी है और मैं बिना सोचे समझे सेट पर पहुंच गई। ' अभिनेत्री ने सभी से फिल्म देखने की अपील करते हुए कहा, 'इस फिल्म में मेरा छोटा-सा रोल है, पता नहीं इसे आप में से कितने लोगों ने देखा है और अगर नहीं देखा है, तो जरूर देखने जाएं। अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'जाएं, जाकर फिल्म वाइब देखकर आएं। बहुत अच्छी फिल्म है।

रॉ के संस्थापक आर.एन. काओ की कहानी बड़े पर्दे पर लाएंगे करण जौहर





भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) की नींव रखने वाले दिग्गज जासूस रामेश्वर नाथ काओ की कहानी अब बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी। करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस और लियो मीडिया कलेक्टिव ने आर.एन. काओ की जिंदगी और उनके काम पर बनने वाली एक बड़े स्तर की स्पाई एक्शन फिल्म की घोषणा कर दी है। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इसकी रिलीज डेट लॉक कर दी गई है। यह फिल्म 11 अगस्त 2028 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। करण जौहर इससे पहले 'केसरी', 'राजी', 'शेरशाह' और 'केसरी : चैप्टर 2' जैसी फिल्मों के जरिए देश से जुड़ी कहानियों और अनसुने किरदारों को पर्दे पर ला चुके हैं। अब वह फिल्म रॉ के संस्थापक आर.एन. काओ के सफर को पर्दे पर दिखाएंगे। रॉ की स्थापना 1968 में हुई थी। मेकर्स का लक्ष्य 2028 में एजेंसी के 60 साल पूरे होने के आसपास इस कहानी को बड़े पर्दे पर लाना है। फिल्म को फिलहाल डेवलपमेंट स्टेज में रखा गया है। करण जौहर ने फिल्म को लेकर कहा, ' 'लियो मीडिया कलेक्टिव पिछले दो साल से इस कहानी पर काफी रिसर्च और काम कर रहा है। हम इस कहानी को सच्ची घटनाओं पर आधारित एक रोमांचक फिल्म के रूप में पेश करना चाहते हैं। फिल्म के जरिए रॉ को श्रद्धांजलि देने और एजेंसी की महत्वपूर्ण विरासत को बड़े पर्दे पर सम्मान देने की कोशिश की जाएगी। धर्मा प्रोडक्शन की पूरी टीम इस प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए काफी उत्साहित है।' ' फिल्म की कहानी लेखक नितिन गोखले की किताब 'जेंटलमैन स्पाईमास्टर' पर आधारित होगी। इसमें आर.एन. काओ के 1955 से 1971 तक के सफर को दिखाया जाएगा।

एशियन गेस 2026 में भारतीय शूटर्स का दमदार प्रदर्शन

जारी, हिमांशु ने सिल्वर और रुद्राक्ष ने जीता ब्रॉन्ज मेडल



नागोया एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में सोमवार को पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में भारत ने दो पदक हासिल किए। एक कड़े मुकाबले के बाद हिमांशु ढिल्लों ने सिल्वर मेडल और रुद्राक्ष पाटिल ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। हिमांशु ने कुल 252.4 प्वाइंट्स अर्जित किए और वह दूसरे स्थान पर रहे, जबकि रुद्राक्ष 230.9 प्वाइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चीन के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन शेंग लिहाओ ने 254.2 के गेम्स रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता और सफलतापूर्वक अपने खिताब का बचाव किया। आठ खिलाड़ियों के फाइनल में भारतीय जोड़ी शुरू से ही मेडल की दौड़ में बनी हुई थी, जिसमें रुद्राक्ष ने बहुत अच्छी शुरुआत की। शुरुआती 10 शॉट्स के बाद वह 106.0 प्वाइंट्स के साथ सबसे आगे थे, उनके बाद शेंग 104.9 प्वाइंट्स और हिमांशु 104.8 प्वाइंट्स के साथ थे। एलिमिनेशन राउंड शुरू होने पर भी भारतीय खिलाड़ी टॉप दो स्थानों पर काबिज रहे। रुद्राक्ष आगे बने रहे, जबकि हिमांशु ने लगातार अच्छे स्कोर किए, जिसमें लगातार 10.9 प्वाइंट्स के स्कोर भी शामिल थे, जिससे वह दूसरे स्थान पर आ गए। शेंग ने जैसे-जैसे अंतर कम किया, बढ़त बार-बार बदलती रही। दूसरे एलिमिनेशन के बाद भी रुद्राक्ष टॉप पर थे और हिमांशु तीसरे स्थान पर थे, लेकिन आखिरकार चीनी शूटर पहले स्थान पर आने में सफल रहा।

जब मुकाबले में सिर्फ चार शूटर बचे थे, तब मंगोलिया के बयारा न्यंतई के बाहर होने के साथ ही भारत का डबल पोडियम स्थान पक्का हो गया। उस समय चीन के शेंग 211.6 अंकों के साथ पहले स्थान पर थे, जबकि भारत के रुद्राक्ष 210.6 और हिमांशु 210.0 अंकों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर चल रहे थे। इससे भारत के दो पदक सुनिश्चित हो गए।

इसके बाद सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल के लिए मुकाबला शेंग के पीछे पूरी तरह से भारतीयों के बीच सिमट गया। हिमांशु ने रुद्राक्ष से बढ़त बना ली, जब उन्होंने 10.8 प्वाइंट्स का स्कोर किया और रुद्राक्ष ने 9.7 प्वाइंट्स का स्कोर किया, जिससे रुद्राक्ष तीसरे स्थान पर खिसक गए। रुद्राक्ष ने एलिमिनेशन शॉट पर 10.6 प्वाइंट्स के साथ वापसी की कोशिश की, लेकिन हिमांशु ने 10.4 प्वाइंट्स के साथ अपनी स्थिति बनाए रखी। शेंग ने आखिरी शॉट में 10.6 का स्कोर करके गोल्ड मेडल पक्का किया और 254.2 के गेम्स रिकॉर्ड के साथ मुकाबला खत्म किया। हिमांशु, जिन्होंने अपने दूसरे आखिरी शॉट से शेंग की बढ़त को 1.8 प्वाइंट तक कम कर दिया था, 252.4 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। रुद्राक्ष ने कुल 230.9 का स्कोर करके ब्रॉन्ज मेडल जीता।

'हर जगह भ्रष्टाचार है, मैंने आज उसे देखा'

सेमीफाइनल में विवादित हार के बाद सुचिका ने लगाया गंभीर आरोप



नागोया एजेंसी। भारत की मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) फाइटर सुचिका तरियाल ने सोमवार को ट्रेडिशनल 60 किलोग्राम इवेंट के सेमीफाइनल में विवादित हार और आर्बिट्रेशन (मध्यस्थता) की अपील हारने के बाद 'भ्रष्टाचार' के आरोप लगाए हैं। सुचिका सिंगापुर की हुई हून टून के खिलाफ सेमीफाइनल में फाइट पर दबदबा बनाने के बावजूद हार के फैसले से निराश नजर आईं। फैसले के बाद उन्होंने आर्बिट्रेशन के लिए विरोध जताया। आर्बिट्रेशन के दौरान, जजों ने मुकाबले की समीक्षा की और इसे ड्रॉ घोषित कर दिया। एशियन मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन (एएमएमए) के नियमों के अनुसार, ड्रॉ की स्थिति में कम वजन वाली फाइटर को विजेता घोषित किया जाता है। सुचिका ने इस विवादित फैसले और आर्बिट्रेशन के बाद मेडल गंवाने पर नाराजगी जताई और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। सुचिका ने 'आईएएनएस' के साथ खास बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि उसे ही जीतना था, क्योंकि फेडरेशन सिंगापुर का है। अगर मेरा वजन थोड़ा कम भी होता, तो भी फैसला मेरे खिलाफ ही होता। उन्होंने सब कुछ वजन पर डाल दिया। उन्होंने अपने देश के बारे में सोचा, खिलाड़ी के बारे में नहीं। हर जगह भ्रष्टाचार है; मैंने आज यहां भी इसे देखा है। ' सुचिका ने दावा किया कि वह फाइट के बाद रेफरी के फैसले से सहमत नहीं थीं, क्योंकि मुकाबले में उनका ही दबदबा था।

भारतीय महिला हॉकी टीम का शानदार प्रदर्शन, एकतरफा मुकाबले में इंडोनेशिया को 17-1 से रौंदा



नागोया एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम का दमदार प्रदर्शन जारी है। पहले मुकाबले में उज्बेकिस्तान को 19-0 से रौंदने के बाद टीम ने दूसरे मैच में इंडोनेशिया को 17-1 से शिकस्त दी। इस मुकाबले में भारतीय टीम की फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने इंडोनेशिया के डिफेंस की धज्जियां उड़ा डालीं। भारतीय टीम मैच में शुरुआत से ही हावी नजर आई। टीम ने इंडोनेशिया के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया और एक के बाद एक गोल दागे। भारत की तरफ से दीपिका, ऋतुजा पिसाल और नवनीत कौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोलों की अपनी हैट्रिक पूरी की। वहीं, सुनेलिता टोप्पो, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने भी दो-दो गोल दागते हुए भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। कप्तान सलीमा टेटे और इशिका ने भी एक-एक गोल किया। शुरुआती दो क्वार्टर में भारत का पूरी तरह से दबदबा रहा।

सुचिका तारियाल ने रचा इतिहास, एमएमए में मेडल जीतने वाली बनीं पहली भारतीय खिलाड़ी



नागोया एजेंसी । सुचिका तारियाल ने सोमवार को भारत के लिए इतिहास रच दिया। सुचिका एशियन गेम्स में मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) में देश के लिए मेडल जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। सुचिका ने पारंपरिक 60 किलोग्राम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया। सुचिका का ऐतिहासिक कैंपेन सेमीफाइनल में खत्म हो गया, जहां उन्हें सिंगापुर की हुई हून टीओ से एक करीबी हार मिली, जो ओवरटाइम तक चली। भारतीय खिलाड़ी बहुत कम अंतर से हारी, जिससे गोल्ड-मेडल मुकाबले तक पहुंचने की उनकी उम्मीदें खत्म हो गईं, लेकिन एमएमए के एशियन गेम्स डेब्यू में उन्होंने पोडियम पर अपनी जगह पक्की कर ली। यह नतीजा सुचिका के लिए निराशाजनक रहा और फैसले की घोषणा के बाद वह निराश भी दिखाई दीं। हालांकि, निराशा के बावजूद, 36 साल की यह खिलाड़ी आइची-नागोया से एक ऐतिहासिक मेडल लेकर लौटीं, जो महाद्वीपीय स्टेज पर भारतीय एमएमए के लिए एक बड़ी कामयाबी है। रविवार को क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया की अल्तांचिमेग बैगलमा के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए सुचिका ने सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने अल्तांचिमेग बैगलमा के खिलाफ 2-0 से जीत हासिल की थी और एमएमए में एशियन गेम्स में मेडल पक्का करने वाली पहली भारतीय एथलीट बनीं। सुचिका तारियाल के करियर में यह ब्रॉन्ज मेडल एक और बड़ी उपलब्धि के रूप में जुड़ गया है। कई कॉम्बैट खेलों में अपनी पहचान बना चुकीं सुचिका पहले राष्ट्रीय स्तर की जूडो खिलाड़ी रह चुकी हैं।

भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने कटाया वार्टर फाइनल का टिकट, बांग्लादेश को 3-0 से दी शिकस्त



नागोया एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 का आगाज भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने धमाकेदार जीत के साथ किया है। एकतरफा मुकाबले में लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और किदांबी श्रीकांत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 3-0 से शिकस्त दी। भारत को मुकाबले में बेहतरीन शुरुआत लक्ष्य सेन ने दिलाई। बांग्लादेश के खिलाड़ी अयमान इब्न जमन के खिलाफ खेलते हुए लक्ष्य ने दमदार खेल दिखाया। पहले गेम में लक्ष्य का पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला और उन्होंने एक के बाद एक दमदार शॉट्स लगाते हुए गेम को 21-4 के बड़े अंतर से जीता। लक्ष्य अपनी इसी लय को दूसरे गेम में भी बरकरार रखने में सफल रहे। उन्होंने दूसरे गेम को 21-12 से अपने नाम करते हुए मुकाबले में भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। लक्ष्य के जबरदस्त स्मैश का जमान के पास कोई जवाब नजर नहीं आया। वहीं, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करके सुर्खियों में आने वाले आयुष शेट्टी ने दूसरे मैच में कमाल का खेल दिखाया। बांग्लादेश के खिलाड़ी गौरव सिंघा पर आयुष पूरी तरह से हावी नजर आए और उन्होंने वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। आयुष ने पहले गेम को 21-4 से जीता। इसके बाद दूसरे गेम में भी वह अपने इस दबदबे को कायम रखने में कामयाब रहे और उन्होंने 21-13 से गेम जीतकर भारत की बढ़त को 2-0 कर डाला।

तीसरे मैच में किदांबी श्रीकांत का प्रदर्शन भी बेमिसाल रहा। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाड़ी जुमार अल-अमीन को शिकस्त देते हुए भारत की दूसरी जीत पक्की की। हालांकि, श्रीकांत को पहले गेम में जीत के लिए थोड़ी मशक्कत करनी पड़ी लेकिन वह गेम को 21-15 से अपने नाम करने में सफल रहे। दूसरे गेम में श्रीकांत ने जुमार को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया और 21-10 से गेम को जीतकर बांग्लादेश की हार पर मुहर लगा दी। इस जीत के साथ ही भारतीय पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारत की भिड़ंत अब मंगलवार को जापान से होगी।

सविता पूनिया बनीं सर्वाधिक मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ी, हॉकी इंडिया ने की 10 लाख रुपए देने की घोषणा



काकामिगाहारा एजेंसी। सविता पूनिया भारतीय महिला हॉकी के इतिहास में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। हॉकी इंडिया ने सोमवार को भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी गोलकीपर सविता की सराहना की। इस खास उपलब्धि पर हॉकी इंडिया ने कहा कि यह सविता के करीब दो दशकों के अनुशासन, मेहनत और बेहतरीन नेतृत्व का नतीजा है। उनके शानदार योगदान को सम्मान देने के लिए हॉकी इंडिया ने उन्हें 10 लाख का नकद इनाम देने की घोषणा भी की। सविता ने भारत की पूर्व स्ट्राइकर वंदना कटारिया के 320 सीनियर इंटरनेशनल मैच खेलने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने जापान में चल रहे एशियन गेम्स में इंडोनेशिया के खिलाफ भारत के पूल बी मैच के दौरान यह मुकाम हासिल किया और अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि जोड़ी। ओपन प्ले में शॉट रोकने की अपनी काबिलियत और पेनल्टी शूटआउट में बिना घबराए खेलने के रिकॉर्ड के कारण हॉकी की दुनिया में 'द वॉल ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर 36 साल की सविता ने 2009 में अपना सीनियर इंटरनेशनल डेब्यू किया था। सविता पूनिया ने अपने शानदार करियर में भारत के लिए लगातार बड़े टूर्नामेंट खेले हैं। वह तीन ओलंपिक, दो एशियाई खेल, कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी और एफआईएच प्रो लीग जैसे कई अहम टूर्नामेंटों का हिस्सा रही हैं। एक युवा और प्रतिभाशाली गोलकीपर के रूप में शुरुआत करने वाली सविता समय के साथ भारतीय महिला हॉकी टीम की सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल हो गईं। उन्होंने लंबे समय तक टीम की कप्तानी भी की। बाद में टीम की कमान सलीमा टेटे को सौंप दी गई, लेकिन सविता आज भी भारतीय टीम की मजबूत स्तंभ बनी

टेबल टेनिस में भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से धोया, सुतीर्था-सिंड्रेला और श्रीजा की तिकड़ी ने किया कमाल



नागोया एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 के तीसरे दिन की शुरुआत भारतीय टेबल टेनिस टीम ने धमाकेदार जीत के साथ की है। सुतीर्था मुखर्जी, सिंड्रेला दास और श्रीजा अकुला की तिकड़ी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए एकतरफा मुकाबले में पाकिस्तान को 3-0 से रौंदा। सुतीर्था मुखर्जी ने भारतीय टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। इस दौरान पाकिस्तान की खिलाड़ी अलीना सुतीर्था के सामने पूरी तरह से बैकफुट पर नजर आईं। सुतीर्था पूरे मैच में हावी रहीं और उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ी को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। सुतीर्था ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए पहले गेम को 11-3 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में भी सुतीर्था का दबदबा देखने को मिला और उन्होंने यह गेम 11-3 से जीता। तीसरे गेम को 11-4 से जीतने के साथ ही सुतीर्था ने मैच को अपने नाम करते भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई।इसके बाद दूसरे मुकाबले में सिंड्रेला दास ने दमदार प्रदर्शन किया। भारतीय युवा

भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने जीत के साथ किया आगाज, एकतरफा मुकाबले में जापान को 49-23 से हराया



नागोया एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 का आगाज भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने धमाकेदार जीत के साथ किया है। सुनील कुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन को मेजबान जापान को एकतरफा अंदाज में 49-23 से हराया। भारतीय टीम का पूरे मैच में दबदबा देखने को मिला। टीम के रेडर्स शानदार लय में दिखाई दिए, तो डिफेंडर्स ने भी जापान को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। भारत ने शुरुआत से ही दमदार खेल दिखाया। भारतीय रेडर्स के सामने जापान का डिफेंस बेहद कमजोर नजर आया। भारतीय रेडर्स जापान के डिफेंस को भेदते हुए लगातार प्वाइंट्स हासिल करते रहे। पहले हाफ में भारतीय रेडर्स पूरे तरह से हावी रहे। शुरुआत से ही रेडर्स ने जापान के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया, जिसका फायदा टीम इंडिया को मिला। आशू मलिक ने एक साथ जापान के तीन खिलाड़ियों को आउट करते हुए सुपर रेड लगाई। आशू रेड में भारत के लिए लगातार प्वाइंट्स निकालते रहे। वहीं, भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान को पहले हाफ में ही दो बार ऑलआउट किया। भारत ने पहले हाफ का अंत 31-9 की बड़ी बढ़त के साथ किया। हालांकि, दूसरे हाफ में जापान ने वापसी की और तेजी से प्वाइंट्स हासिल करने शुरू किए। भारत ने दूसरे हाफ में पवन सहरावत और अर्जुन देशवाल और असलम इनामदार की तिकड़ी को उतारा। अर्जुन ने आते के साथ ही प्वाइंट हासिल किया। इसके बाद भारतीय टीम एक बार फिर जापानी टीम को ऑलआउट करने में सफल रही। अंत में जापान के डिफेंस ने अच्छा खेल दिखाते हुए भारत के रेडर्स की कई रेडों को नाकाम किया लेकिन तब तक भारतीय टीम बहुत बड़ी बढ़त हासिल कर चुकी थी। आशू मलिक और राहुल भारतीय टीम के लिए इस मुकाबले में जीत के नायक रहे। अगले मैच में टीम इंडिया की भिड़ंत अब मंगलवार को साउथ कोरिया से होगी।

भारतीय टीम अपनी इसी फॉर्म को साउथ

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक दीप्ति दुबे द्वारा ए 1470, सेक्टर आई, एल.डी.ए. कालोनी, कानपुर रोड लखनऊ 226012 से प्रकाशित व तानु आफसेट, लालकुआं लखनऊ से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

****

टेलीफैक्स : 0522.3564414
फोन: 9198396663352
आर.एन.आई.:
UPHIN/2004/18844
डाकपंजीयन :-
जी-2 / न्यूज पेपर / 59 / 2004-5
E-mail:
lokhastakshep@gmail.com
संपादक : दीप्ति दुबे
स्थानीय संपादक : अजेय अजय
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

यहां के हालात और पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं, जापान के खिलाफ मुकाबला रोमांचक होगा: अय्यर

एजेंसी। भारत और जापान की पुरुषों क्रिकेट टीम के बीच मंगलवार को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ऐतिहासिक टी20 मैच खेला जाना है, लेकिन सोमवार को तेज बारिश के कारण भारत का ट्रेनिंग सेशन रद्द करना पड़ा। हालांकि, कप्तान श्रेयस अय्यर मेजबान जापान के खिलाफ भारतीय पुरुष क्रिकेट इतिहास के पहले टी20 मैच को लेकर पूरे जोश में हैं। उन्होंने इस मुकाबले को एक नई जगह पर 'रोमांचक चुनौती' बताया है। मुकाबले से पहले अय्यर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, 'यह हमारे लिए एक रोमांचक और दिलचस्प मुकाबला होने वाला है। ऐसा पहली बार है, जब हम जापान के विरुद्ध खेलेंगे। मुझे वहां के हालात और पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन एक शानदार मैच की उम्मीद है।' भारतीय टीम पहली बार जापान के खिलाफ टी20 मैच खेलने जा रही है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट ने जापानी खिलाड़ियों के बारे में जानने के लिए वीडियो फुटेज और डिजिटल क्लिप्स का सहारा लिया।



जोधपुर महापौर चुनाव : नामांकन पर विवाद के बीच राजेंद्र सोलंकी की सफाई, बोले: मेरे खिलाफ कोई मामला लंबित नहीं, एफआर स्वीकार हो चुकी

जोधपुर, एजेंसी। जोधपुर नगर निगम महापौर चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र सोलंकी के नामांकन पत्र पर भाजपा पार्षद द्वारा आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाने की आपत्ति दर्ज कराए जाने के बाद अब राजेंद्र सोलंकी का बयान सामने आया है। सोलंकी ने अपने खिलाफ लगाए जा रहे सभी आरोपों को खारिज करते हुए स्थिति पूरी तरह स्पष्ट की है। उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ वर्तमान में कोई भी आपराधिक मुकदमा अदालत में लंबित नहीं है। लंबित मामलों पर सोलंकी का दावा: एफआर (FR) हो चुकी स्वीकार अपने नामांकन हलफनामे पर उठे सवालों का जवाब देते हुए कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र सोलंकी ने कहा कि जिन मामलों का विरोधी पक्ष (भाजपा) द्वारा उल्लेख किया जा रहा है, वे सभी पुराने हैं और कानूनी प्रक्रिया के तहत निस्तारित हो चुके हैं। सोलंकी के अनुसार, उन सभी मामलों में पुलिस द्वारा जांच के बाद अंतिम रिपोर्ट (स्नक्र) अदालत में पेश की जा चुकी है और संबंधित अदालत द्वारा उस एफआर को स्वीकार भी किया जा चुका है। ऐसे में नामांकन पत्र में किसी भी प्रकार की जानकारी छिपाने का आरोप पूरी तरह निराधार है।



भाजपा नेताओं पर निशाना: 'राजनीतिक षड्यंत्र के तहत भिजवाया था जेल: अपनी सफाई के दौरान राजेंद्र सोलंकी ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं पर गंभीर राजनीतिक आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पूर्व में भाजपा शासन के दौरान राजनीतिक द्वेष और साजिश के तहत उनके खिलाफ फर्जी मुकदमे दर्ज करवाए गए थे। सोलंकी ने कहा कि इन्हीं झूठे मामलों के चलते उन्हें न केवल जेल जाना पड़ा था, बल्कि राजनीतिक कारणों से जोधपुर से बाहर भी रहना पड़ा था। उन्होंने याद दिलाया कि उन पर पूर्व में ?250 करोड़ के गबन के गंभीर आरोप भी उछाले गए थे, लेकिन बाद में जांच के दौरान उन आरोपों का कोई ठोस आधार या सबूत नहीं मिला। सोलंकी और मेहता के बीच सीधा मुकाबला जोधपुर नगर निगम महापौर चुनाव के लिए चुनावी मैदान में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रसन्नचंद मेहता और इंडियन नेशनल कांग्रेस के राजेंद्र सोलंकी के बीच है। दोनों ही प्रत्याशियों के नामांकन दाखिल करने के बाद से ही आपत्तियों, विधिक जांच और आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेजी से जारी है। राजेंद्र सोलंकी ने अंत में कहा कि इन सभी राजनीतिक आरोपों और मुद्दों का अंतिम फैसला नवनिर्वाचित पार्षदों और जोधपुर की सम्मानित जनता के विवेक के सामने होगा।

ऑटो ड्राइवर की बीच सड़क पीट-पीटकर हत्या

हैदराबाद, एजेंसी। 20 सितंबर की शाम को हैदराबाद के राजेंद्रनगर पुलिस स्टेशन इलाके के वट्टापल्ली में 10 रुपये के छुट्टे पैसे को लेकर झगड़ा हो गया। थोड़ी देर में झगड़ा इतना बढ़ गया कि लोगों के एक ग्रुप ने कथित तौर पर एक ऑटो ड्राइवर की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस और नेता मौके पर पहुँचे और मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की।

10 रुपये के विवाद में हत्या: विधायक मोहम्मद मुबीन ने मामले की जानकारी देते हुए कहा, 'झगड़ा छुट्टे पैसे के मामूली मुद्दे को लेकर शुरू हुआ था जो बाद में हिंसा में बदल गया।' विधायक ने आगे कहा, 'झगड़ा सिर्फ 10 रुपये के छुट्टे पैसे को लेकर था। आरोपी ने 10 रुपये के किराए के लिए 200 का नोट दिया था, और फिर अजीम नाम के व्यक्ति ने ऑटो ड्राइवर के साथ बदसलूकी की और फिर अपने साथियों को बुलाकर सड़क के बीचों-बीच, उसकी पत्नी और बच्चों के सामने पीट-पीट कर हत्या कर दी।' विधायक ने आगे बताया, 'अजीम खुद को एक न्यूज रिपोर्टर बताता है।'

हिमाचल में सेब खरीद में करोड़ों का घोटाला, MIS में हुआ खेल, बागवानों ने जितना बेचा रिकॉर्ड में उससे ज्यादा दर्ज

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मंडी मध्यस्थता योजना (एमआइएस) के तहत बागवानों से सेब खरीद में एजेंटों की भारी गड़बड़ियों का मामला सामने आया है। वर्ष 2025 में हुई करीब एक लाख टन सेब की सरकारी खरीद के रिकॉर्ड में वास्तविक आपूर्ति से कई गुना अधिक सेब दर्ज किए जाने के आरोप हैं। संबंधित क्षेत्रों के एसडीएम से कराई गई जांच के बाद कार्रवाई के लिए फाइल मुख्यमंत्री को भेजी गई है। जांच में सामने आए मामलों की संख्या सैकड़ों बताई जा रही है और करीब 20 करोड़ रुपये के घपले की आशंका जताई गई है। शिमला, चंबा, मंडी समेत कई जिलों में ऐसे मामले सामने आए हैं। सबसे अधिक मामले शिमला जिले के रोहड़ू, कोटखाई, चौपाल, ठियोग और रामपुर क्षेत्र में बताए जा रहे हैं।



एसडीएम स्तर की जांच में खुलासा: एसडीएम स्तर की जांच में बागवानों से पूछताछ के दौरान कई ऐसे मामले मिले, जिनमें उन्होंने सरकारी उपक्रम हिमाचल प्रदेश बागवानी उपज विपणन एवं प्रसंस्करण निगम (एचपीएमसी) को सी-ग्रेड सेब की जितनी मात्रा दी, रिकॉर्ड में उससे कहीं अधिक दर्ज थी।

सेब कम दिया रिकॉर्ड में ज्यादा दर्ज: पहला ममला ऐसा सामने आया जिसमें 66 बोरी बेची और रिकार्ड में 130 दर्ज थी। कई बागवानों ने 50 से 100 बोरी सेब देने की बात कही, जबकि रिकार्ड में उनके नाम पर 200 से 350 बोरी तक की आपूर्ति दर्ज मिली।

जानकारी मांगी तो भुगतान लेने भी नहीं पहुंचे बागवान: सरकार ने जमीन के दस्तावेज, आधार कार्ड समेत अन्य जानकारी मांगी तो बड़ी संख्या में बागवान भुगतान लेने ही नहीं पहुंचे। इससे रिकार्ड में दर्ज अतिरिक्त सेब की मात्रा और उसके आधार पर किए गए भुगतान को लेकर सवाल और गहरा गया है। एचपीएमसी ने 300 से अधिक केंद्र सेब खरीद के लिए स्थापित किए थे। कोटखाई के गुम्मा निवासी बलवीर चौहान एमआइएस के तहत एचपीएमसी को दी गई 66 बोरी सेब का भुगतान लेने पहुंचे। वहां उनके नाम पर 130 बोरी सेब दर्ज होने की बात सामने आई और उनसे 130 बोरी की पर्ची मांगी गई। बलवीर ने कहा कि उन्होंने 66 बोरी ही बेची हैं, इसलिए अतिरिक्त 64 बोरी की पर्ची कहां से लाएंगे। उनके अनुसार सेब उन्होंने एक ही बार दिया था, जबकि रिकार्ड में तीन बार आवक दर्ज थी। गुम्मा के ही एक अन्य बागवान ने करीब 200 बोरी सेब एचपीएमसी को दिए और इतनी ही मात्रा की पर्ची उनके पास थी। हालांकि रिकार्ड में उनके नाम पर 378 बोरी सेब की आपूर्ति दर्ज मिली। अतिरिक्त मात्रा से संबंधित कोई पर्ची या दस्तावेज बागवान के पास नहीं मिला। सरकार को भेजी रिपोर्ट में ऐसे कई बागवानों का उल्लेख है, जिनके नाम पर रिकार्ड में 200 से 250 बोरी तक अतिरिक्त सेब दर्ज किए गए हैं।

जांच अधिकारियों का ऐसे सैकड़ों मामले होने का दावा: जांच से जुड़े अधिकारियों के अनुसार मामला एक-दो बागवानों तक सीमित नहीं है। विभिन्न स्थानों पर रिकॉर्ड, पर्चियों और वास्तविक आपूर्ति का मिलान किया जा रहा है। गड़बड़ी की पुष्टि होने पर संबंधित एजेंटों के साथ रिकॉर्ड तैयार करने की प्रक्रिया में जिम्मेदार लोगों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ सकती है।

नहीं रही बंगाली सिनेमा की अभिनेत्री मिथु मुखर्जी

मुंबई,एजेंसी।। बंगाली सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री मिथु मुखर्जी का रविवार देर रात निधन हो गया। वह 71 वर्ष की थीं। करीब एक साल से कैंसर से जूझ रहीं अभिनेत्री का मुंबई के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। उनके निधन की खबर सामने आने के बाद बंगाली सिनेमा समेत पूरे फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। सितारों और प्रशंसकों ने सोशल मीडिया के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि दी। अभिनेत्री के निधन पर बंगाली अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी ने भी भावुक श्रद्धांजलि दी। उन्होंने एक्स पर मिथु मुखर्जी की एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि उनके निधन की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री की स्मृतियां और उनका काम हमेशा लोगों के बीच जीवित रहेगा।

प्रोसेनजीत ने उनके परिवार और करीबियों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की।ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन (एआईसीडब्ल्यूए) ने भी मिथु मुखर्जी के निधन पर शोक जताया और भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को याद किया। अभिनेत्री के निधन से उनके प्रशंसकों और सहकर्मियों के बीच गहरा दुख है। फिल्म जगत से जुड़े लोग उनके लंबे सिनेमाई सफर और अभिनय को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

आवश्यकता है

वाराणसी, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'लोक हस्तक्षेप' के लिए आवश्यकता है महिला एवं पुरुष विज्ञापन प्रतिनिधियों की।

विज्ञापन के क्षेत्र में अनुभवी व फ्रेशर भी आवेदन कर सकते हैं।

सम्पूर्ण विवरण सहित आवेदन करें।

लोक हस्तक्षेप The power of truth

lokhastakshepcorp@gmail.com

WhatsApp : 9839666352

लोक हस्तक्षेप
The power of truth
वाराणसी | लखनऊ | नई दिल्ली



21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली